

Pr. Daniel
Lucknow

PRAYER GARDEN

प्रेयर गार्डन

JAY KE GEET

जय के गीत

Hindi/ हिन्दी

1 से 14

गायक: फादर. एस. जे. बेर्कमासं

2, नारायणा दासरी गली
एगमोर, चेन्नै - 600 008

2, Narayanadasari Street,
Egmore, Chennai - 600 008.
Ph : 044 - 28190433, 28191518

www.prayergarden.org, e-mail: info@prayergarden.org

यहोवा के लिए एक नया गीत गाओ,
हे सारी पृथ्वी के लोगों यहोवा के लिए गाओ ।

(भजन-96:1)

INDEX

<u>S.No.</u>	<u>Song No.</u>	<u>Page No.</u>
1.	अपना बोझ प्रभु पर डा.....	12.....11
2.	अब्बा पिता हे, प्रेमी परमेश्वर.....	11.....10
3.	अब्बा मैं तेरे लिए अर्पित.....	90.....58
4.	असंभव कुछ भी नहीं.....	97.....63
5.	अति शीध ही टल जायेगी.....	45.....30
6.	आओ चले बेतेल.....	111.....76
7.	आत्मा प्रभु प्रेमी तू प्रभु	72.....46
8.	आत्मा हमारे प्रियतम	52.....36
9.	आज के दिन से मैं	79.....51
10.	आसमानी खुदा मेरे	118.....82
11.	ऊँचे गाके हुम	98.....64
12.	अन्नीर ॐ रवि लोकाये रहे	81.....53
13.	और कोई चाहत नहीं.....	36.....25
14.	उतर आए स्वर्गीय मेघ	115.....70
15.	उसने कहा मैं प्यासों पर.....	23.....17
16.	कठिन प्रभु	114.....78
17.	कामिल है प्रभु	76.....49
18.	कितनी भलाई मुझ पर किया.....	7.....8
19.	किसी बातों में व्याकुल न हो.....	69.....44
20.	खुद को चढ़ा दें ता	18.....15
21.	गुजरी जिन्दगी को जब	32.....23
22.	गर कोई भी छोड़े मुझे	5.....7
23.	चंगा करो प्रभु तुम.....	126.....89
24.	चाहत से तेरी अपार	127.....90
25.	घाटियों सभी भर डालें हम.....	44.....29
26.	टेडे और हटीले	99.....65
27.	तन उसे दे मन उसे दे	91.....59
28.	तरस खाता मुझ पे यीषु.....	89.....58
29.	ताली बजाके खुशियाँ मनाओ.....	64.....41
30.	तारीउ से शैतान भागता.....	68.....44
31.	तेरी आत्मा नित रहे.....	52.....34
32.	तेरे आगे मुझको.....	108.....72

INDEX

<u>S.No.</u>	<u>Song No.</u>	<u>Page No.</u>
33.	तेरे सामर्थ.....	100.....66
34.	तेरे गम सब खुशी.....	41.....27
35.	तेरे नाम की महिमा होवे प्रभु.....	53.....35
36.	तेरे सिवाय मेरा ना कोई.....	86.....56
37.	तुझ को मैं प्रसन्न रख सकूँ.....	42.....28
38.	तुझ को महिमा देकर.....	58.....38
39.	तुझ को देखता है.....	92.....60
40.	तुझ से ही.....	95.....62
41.	तूने सुनी प्रार्थना.....	121.....84
42.	तेरे नाम से.....	106.....71
43.	दुनिया पे आँख लगी तो.....	35.....24
44.	दिल ये चाहे मेरा.....	31.....22
45.	धन्यवाद करता हूँ प्रभु	46.....30
46.	धन्यवाद की वेदि बनाए	75.....48
47.	धन्य बलि धन्य बलि.....	60.....39
48.	धन्य बली हो.....	84.....55
49.	नही यहा मेरा.....	112.....77
50.	निरस्तार धन्यवाद तुझ को मिलें.....	66.....43
51.	निश्चय मुसीबते.....	120.....83
52.	पाप क्षमा के निश्चय.....	28.....20
53.	परमप्रधान.....	96.....62
54.	पालनहारे मेरे यीशु मसीह.....	55.....36
55.	पास तेरे.....	104.....69
56.	प्रभु के खोज में.....	128.....91
57.	प्रभु में खुशियों मनाये हम.....	59.....39
58.	प्रभु ने बनाया.....	57.....37
59.	प्रभु के हाथ है मेरे साथ.....	61.....40
60.	प्रभु परमेश्वर.....	103.....68
61.	प्रेमी-यीशु है प्रेमी.....	15.....13
62.	प्रेमी तेरे पाँवों तले.....	6.....7
63.	प्रार्थना की आत्मा उण्डेल.....	49.....32

INDEX

<u>S.No.</u>	<u>Song No.</u>	<u>Page No.</u>
64.	प्यार करूँगा.....	93.....61
65.	प्यारे प्रभु की.....	94.....61
66.	बड़ी भर तेरे दर्शन.....	30.....22
67.	बिनती सुननेवाले.....	17.....14
68.	बल मेरे.....	113.....78
69.	बिनती हमारी तेरे आग.....	80.....52
70.	भागो भागो.....	101.....66
71.	मन हमारे रहनेवाले.....	29.....21
72.	मसीह में जी रहा हूँ.....	2.....5
73.	महाराजा तेरा यह बड़ा नाम.....	54.....35
74.	महिमा तेरी ही हो.....	1.....5
75.	महिमा तेरी ही हो.....	14.....12
76.	मुक्ति का नायक वह	4.....6
77.	मुझ को चुना.....	102.....68
78.	मुझ को सिखाके.....	110.....74
79.	मेरे जीवन.....	107.....71
80.	मेरे स्वामी आत्मा प्रभु.....	40.....27
81.	मेरे मसीहा स्तुति हो.....	8.....9
82.	मेरा यीशु है भला.....	27.....20
83.	मेरा सब कुछ यीशु है.....	62.....40
84.	मेरी बिनती.....	117.....81
85.	मेरा सामर्थ जो यीषु.....	83.....54
86.	मैं यहोवा को सदा धन्य.....	77.....50
87.	जंजीरों में जकडे हुओं का.....	13.....12
88.	जब मैं चलूँ जल से.....	87.....56
89.	जागते करें प्रभु-प्रार्थना.....	48.....32
90.	जीवन जल आत्मा प्रभु.....	39.....26
91.	जीवन भर हम.....	109.....74
92.	जो भी हुआ उस में सब	74.....78
93.	जो माँ संभालती है :	3.....6

INDEX

<u>S.No.</u>	<u>Song No.</u>	<u>Page No.</u>
94.	झूमता है दिल.....	63.....41
95.	यीशु के हम संतान.....	65.....42
96.	यीशु में मुझको आनंद है.....	20.....16
97.	यीशु आप रहेंगे साथ.....	26.....19
98.	यीशु राजा की स्तुति हो.....	51.....33
99.	युशु राजा मेरे.....	116.....80
100.	यीशु राजा - हो मालिक	25.....19
101.	यीशु साथ आयेगा	9.....9
102.	यीशु को मन में.....	33.....23
103.	यीशु के पीछे मैं हो लेता.....	21.....16
104.	यीशु नाम है मेरा.....	56.....36
105.	रहम करनेवाला.....	119.....82
106.	राजा तुझे मैं देखूँ.....	123.....86
107.	राजा तेरे महल में.....	67.....43
108.	राजा यीशु आये हैं	24.....18
109.	लहू की जय यीशु के लहू की जय.....	16.....13
110.	व्याकुल न होना.....	105.....70
111.	सम्भव है सब सम्भव है.....	71.....46
112.	सब कुछ कर सकता है.....	70.....45
113.	संकट के दिन में.....	78.....51
114.	सर्वसक्तिमान अपना मेरा.....	19.....15
115.	सुबह का गीत	125.....88
116.	सिंहासन पे विराजमान.....	124.....87
117.	सुबह सुबह स्तुति बलि.....	47.....31
118.	सुखी हड्डियाँ जीवित हो जायें.....	38.....26
119.	सैनिकों जागो.....	37.....25
120.	स्तुति के वस्त्र पहनकर	73.....47
121.	स्वर्ग के हे प्रभु.....	34.....24
122.	हमेशा आनंद है.....	10.....10
123.	हरी हरी चाराइयों.....	85.....55
124.	हे मेरे मन यहोवा को.....	82.....53
125.	हे मेरे प्राण धान्त हो तुम.....	88.....57
126.	होके मगन तू.....	122.....85

INDEX

1. Abba Father	22
2. As a Mother	18
3. Be glorified	20
4. Cast Your Burden.....	13
5. Everyday I	25
6. Father you	28
7. Fill Me	12
8. Glory O Glory	8
9. Happiness Forever	4
10. I am like a	21
11. I Praise You	1
12. I Will Exalt You	6
13. I Will Sing	5
14. I'm Not Going	14
15. Let me glorify	24
16. Let Us Clap	11
17. Make a joyful	10
18. Me and My house	2
19. More than	26
20. Possible	27
21. Rejoice Rejoice	19
22. The Arm of the	3
23. The Name of the	7
24. Victory, Victory	16
25. We Know That	17
26. Welcome Holy Spirit	9
27. Worship Him	15
28. You are my	23

1. महिमा तेरी ही हो

को-महिमा तेरी ही हो,
प्रताप भी तेरा ही हो,
स्तुति और सज्जा और प्रशंसा,
मिले तुझे प्रभुजी ।
आराधना हो - 2 मेरे प्रेमी यीशु ही की ।

1. अपने अनमोल लहू से तूने,
आजाद किया हमको,
राजा के रूप में, लेवी के दल में ,
चुन लिया अपने लिए । आराधना हो....
 2. अग्रुवा मेरा साथी हमारा,
तसल्ली देने वाला,
अनमोल प्रेम के, अनूठे बल से,
आग जला दे मुझमें । आराधना हो....
 3. आज और कल एकसा तू है,
फिर आने वाला राजा,
तेरा नाम हो ऊँचा, तेरा राज्य आवे,
तेरी मर्जी पूरी हो । आराधना हो....

2. मसीह में जी रहा हूँ

को-मसीह में जी रहा हूँ, सर्वदा जय मुझे,
जय मुझे...जय मुझे...जय मुझे-हमेशा । (2)

1. मेरा राजा आगे, जय का ध्वनि सुनाऊँ,
खजूर हाथों में, मैं होसन्ना गीत गाऊँगा ।

2. शैतान का सारा अधिकार, यीशु ने छीन लिया,
क्रूस पर नाश कर दिया, अपने पाँपों तले कर दिया ।

मसीह में...

3. पापों को उठ लिया, मेरे श्रापों को मिटा ड़ाला,
यीशु के कोड़े खाने से, मैं परिपूर्ण चंगा हुआ । मसीह में...

3. जैसे माँ संभालती है

को-जैसे माँ संभालती है, वैसे यीशु संभालेगा ॥

1. सीने से लगाएगा, चिंता सब हटाएगा । जैसे माँ...
2. हाथ धर के ले जाएगा, चट्टान पर चढ़ाएगा । जैसे माँ...
3. मेरे कारण वह घायल हुआ, मेरे पापों को उठ लिया । जैसे माँ...
4. कभी भी न छोड़ेगा, कभी भी न त्यागेगा । जैसे माँ...

4. मुकित का नायक वह

को-मुकित का नायक वह, जय मुझे देता है,
मुझ में वह जीवित है, कितना आनंद है ।

1. मैं गाते गाते रहूँगा,
रोज नाचते नाचते गाऊँगा,
और दौड़ते दौड़ते सुनाऊँगा,
मेरा यीशु जिंदा हुआ । मुकित का
2. वह खोजते खोजते आया,
मुझे गले लगाया अपने,
मेरे पापों को क्षमा किया,
नए सिरे से मुझे बनाया । मुकित का.....

3. वह प्रेम के अभिषेक से,
चलाता है हर दम,
शैतान को जीतने के लिए,
आधिकार दे दिया है ।

मुक्ति का.....

4. लाल समुद्र को पार करके,
यरदन को भी फादूँगा,
यरिहो को जीतने के लिए,
मैं तुरही फूकते रहूँगा ।

मुक्ति का.....

5. गर कोई भी छोड़े मुझे

को-गर कोई भी छोड़े मुझे, यीशु कभी न छोड़ेगा ।

कभी न छोड़ेगा (2) कभी भी नहीं छोड़ेगा ॥ यीशु

1. माँ वही है, पिता वही है,
अपने गले, लगायेगा ।

गर कोई भी....

2. दुःख और तकलीफ, जब आयेगा ,
बिनती करूँगा मैं, रक्षा करेगा वह ।

गर कोई भी....

3. मेरे लिये, इन्सान बना,
मेरे लिए दुःख भी सहा ।

गर कोई भी....

4. अभिषेक किया, आत्मा से,
वचन से मुझे चलाता है वह ।

गर कोई भी....

6. प्रेमी तेरे ही पाँवों तले

को-प्रेमी तेरे ही पाँवों तले मैं, पाता- हूँ तसल्ली,

धुन के साथ गाता रहूँगा, आनंद के गीतों को,

शरणस्थान यीशु निधान ।

आराधना, आराधना

- तेरे पराक्रम के कामों को देखकर, दिल में उठी है तड़प,
सारी तेरी भलाई सोच कर, धन्यवाद देता हूँ,
पराक्रमी और प्रेमी । आराधना, आराधना
- कुरबान हुआ तू मेमने के रूप में, उठ लिया पापों को,
पवित्र लहू मेरे कारण, बहा दिया तू ने,
पवित्र प्रभु, सिरजनहार । आराधना, आराधना
- कोई भी तकलीफ, जीवन में आवे, कभी न छोड़ू तुझे,
लहू बहाकर गवाही बनकर, जीवन बिताऊँ सदा,
मक्कित दाता, यीशु राजा । आराधना, आराधना

7. कितनी भलाई मुझ पर किया

को. कितनी भलाई मुझ पर किया, कैसे मैं धन्य कहूँ
प्रभु कैसे मैं धन्य कहूँ
धन्य राजा (2) धन्यवाद हो, सदा तेरी ।

- हाथों में थामकर, पुतली की नाई,
रात दिन रक्षा किया । (2) कितनी भलाई.....
- दीनता में पड़ा था, दया करके याद किया,
तेरी स्तुति करँगा । (2) कितनी भलाई.....
- पापों में मरा था, कुछ भी आशा न था,
बचा लिया अनुग्रह से । (2) कितनी भलाई.....
- जो कुछ तू ने, किया मेरे लिए,
कैसे मैं वर्णन करँ । (2) कितनी भलाई.....

8. मेरे मसीहा स्तुति हो

को. मेरे मसीहा स्तुति हो, मैं होसन्ना करता रहूँ,
जब तक मैं जिंदा रहूँ ।

1. कृपा करने वाला, सदा तरस खाने वाला,
विलंब से क्रोध करने वाला,
प्रेम से भरा हुआ तू ।

मेरे मसीहा..

2. आदर महिमा तेरी, सदा तुझको मिलने पावे,
आनंद के बलिदान चढ़ाते हैं हम,
आराधना करते ।

मेरे मसीहा..

3. पुकारने वाले सबके, संग रहने वाले सदा,
आवाज सुनकर आजाद करके,
आनंद देनेवाला ।

मेरे मसीहा..

2. आदर महिमा तेरी, सदा तुझको मिलने पावे,
आनंद के बलिदान चढ़ाते हैं हम,
आराधना करते ।

मेरे मसीहा..

4. सृष्टि के पहले, मेरे कारण घायल हुआ,
विद्रोही मुझको नया जीवन देकर,
नई तौर से सृष्टि की ।

मेरे मसीहा..

9. यीशु साथ आयेगा

को. यीशु साथ आयेगा, अद्भुत काम सब करेगा

1. रोग और भूतों को भगायेगा,
दूटे दिलों को वह चंगा करेगा !

यीशु साथ आयेगा

2. तकलीफ दूःखों को दूर करेगा,
आनंद और शान्ति वह मुझे देगा !

यीशु साथ आयेगा

3. कर्ज और कष्टों को दूर करेगा,
आसुँओं को वह पौछ इलेगा !

यीशु साथ आयेगा

4. सब कामों में जय पाऊँगा,
शत्रु शैतान को मैं हरा दूँगा !

यीशु साथ आयेगा

10. हमेशा आनंद हैअ

को. हमेशा आनंद है, मुझे यीशु देता है,

आओ मिलकर उसकी स्तुति करें हम। (2)

हल्लेलूया आनंद है, हल्लेलूया आनंद है। (2)

1. अपने पंखों तले, मुझको छुपाकर, संभालता रहेगा,
उसका वचन है, आत्मा के तलवार, मार्ग वही है।
हल्लेलूया आनंद है (2) आओ मिलकर उसकी स्तुति करें हम।

2. हर रास्ते में, मुझको बचाने, फरिस्ते मेरे लिए,
ना लगे पत्थर, पाँवों में मेरे, हाथों में उठाएँगे।
हल्लेलूया आनंद है (2) आओ मिलकर उसकी स्तुति करें हम।

3. सिंह के ऊपर, साँप के ऊपर, चलते जाएँगे,
शैतान की सारी, शक्तियों को जीतने का, अधिकार मुझको है।
हल्लेलूया आनंद है (2) आओ मिलकर उसकी स्तुति करें हम।

11. अब्बा पिता हे, प्रेमी परमेश्वर

को. अब्बा पिता हे, प्रेमी परमेश्वर,
दयालु तारणहार, त्रिएक परमेश्वर।

1. खोए हुए थे, भटके हुए थे, ढूँढ़ने हमें आया,
गले लगाया चूमा है हमको, शरण में ले आया।

2. हम तो दलित थे, हम तो पतित थे, झाली नजर ओ नाथ,
झ़ादूस बढ़ाया आसू को पोंछा, थामा हमारा हाथ ।
 3. दल-दल की कीच में हम तो पड़े थे, तूने निकाला हमें,
कलवरी खून से हमे खरीदा, अपना बनाया हमे ।
 4. हर-दम हमारे साथ रहकर, हमे संभालता है,
अठल प्रभु जो अनंत प्रेमी, महिमा के योग्य है तू ।

12. अपना बोझ प्रभु पर डाल

को. अपना बोझ प्रभु पर डाल, कभी न घबराना,
तेरा आदर मान करेगा, आश्चर्य कर्म करेगा ।

1. भक्तों को वह भूलेंगा नहीं,
हमेशा उनको संभालेगा ।
तेरा आदर मान
 2. तारणहार हमारी शरण,
साये में लेकर चलता है ।
तेरा आदर मान
 3. माता पिता यदि छोड़ देवे,
वो तो गले लगायेगा ।
तेरा आदर मान
 4. प्रभु हमारे साथ रहे,
सामना कौन कर पाएगा ।
तेरा आदर मान
 5. पूरा समर्पण उसको करें,
वो ही सब कुछ देखेगा ।
तेरा आदर मान
 6. बोझ प्रभु पर डाल दिया है,
अब क्यों घबराना है ।
वही आदरमान करेगा, आश्चर्य कर्म करेगा ।

13.

जंजीरों में जकड़े हुओं का

को. जंजीरों में जकड़े हुओं को, जंजीरों से मुक्त होना है,
घायल किये हुए सभों को, कलवरी के पास आना है ।
प्रभु से नजर मिलाना है ॥

1. जागृति ज्वाला जलने दो, ज्वाला से ज्वाला सुलगने दो ।
2. अंधेरे में चलने वाले, ज्योति प्रभु की देखना होगा ।
3. पापों को श्रापों को, भारत से मिटाना है । मेरे
4. उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक,
कोने - कोने में जाना है ।

14.

महिमा तेरी ही हो

को. महिमा तेरी ही हो, महिमा हो यीशु की,
दूँढ़ के पाया, अपने लिये, स्तुति हो हरदम ।
तेरी जय हो, जय हो, जय हो तेरी सदा ॥ (2)

1. स्वर्ग में होवे, महिमा तेरी, प्रसन्न हो तेरा मन,
पृथ्वी पर मनुष्यों को, शान्ति मिले हरदम । तेरी जय हो...
2. कानों को खोल दिया, इच्छा पूरी करूँ,
धरती पर तेरी मर्जी, पूर्ण हो सदा । तेरी जय हो...
3. कंगालों को स्मरण किया, धन्य हो तेरा नाम,
ज्योति में सहारा, दिल की तसल्ली - अब । तेरी जय हो...
4. खोजियों को मिलने वाला, आनंदित हो तुझमें,
गायकों की कविता है तूँ पवित्र कर दे हमें । तेरी जय हो...

15. प्रेमी - यीशु है प्रेमी

को. प्रेमी - यीशु है प्रेमी , कलवरी क्रूस पर ही ,
सबका चुकाया दाम ।

1. प्यासा हूँ प्यासा कहा, तेरा दुःख सहा,
पापों को उठाया, मुझे छुटकारा दिया । प्रेमी - यीशु है ...
2. घावों को देखता हूँ, आँखू बहाता हूँ,
तेरे उस रक्त में, व्याकुल सा हृदय । प्रेमी - यीशु है ...
3. स्नेहमय हाथों में, कांठों के घाव हैं,
शरण में आता हूँ, सम्पूर्ण जीवन के लिए । प्रेमी - यीशु है ..
4. सीने से बहती नदी, उसमें नहा लें सभी,
मानव पावे प्यार, मुफ्त में पावे उद्धार । प्रेमी - यीशु है ..

16. लहू की जय यीशु के लहू की जय

को. लहू की जय यीशु के लहू की जय,
कलवरी यीशु के लहू की जय,
करणामय प्रभू के लहू की जय । लहू की जय....

1. दुष्टों को भगानेवाले लहू की जय,
सदा आनंद देनेवाले लहू की जय,
अधिकार देनेवाले लहू की जय,
अद्भुत काम करनेवाले लहू की जय । लहू की जय....
2. पापों को धोने वाले लहू की जय,
परिशुद्ध करनेवाले लहू की जय,
श्रापों को मिटानेवाले लहू की जय,
समाधान करनेवाले लहू की जय । लहू की जय....

3. छुटकारा देनेवाले लहू की जय,
जयवंत करनेवाले लहू की जय,
निर्बलता हठानेवाले लहू की जय,
सामर्थी बनाने वाले लहू की जय ।

लहू की जय....

4. वकालत करने वाले लहू की जय,
प्रतिदिन संभालने वाले लहू की जय,
धर्मी बनाने वाले लहू की जय,
अनंत जीवन देनेवाले लहू की जय ।

लहू की जय....

5. निर्मल यीशु के लहू की जय,
कमियों को भरने वाले लहू की जय,
बहुमूल्य यीशु के लहू की जय,
स्वर्ग ले जाने वाले लहू की जय - हमे ।

लहू की जय....

17. बिनती सुननेवाले

को. बिनती सुननेवाले,
मेरे आँसू निहारनेवाले,
चंगाई देनेवाले, स्तुति हो यीशु राजा । (2)

1. तुझ से होगा, सब कुछ होगा, ये वचन काफी है ।
तेरा ये वचन काफी है । (2) बिनती सुननेवाले...

2. करुणानिधी, तारणहारे, चमत्कार करनेवाले ।
सदा चमत्कार करनेवाले । (2) बिनती सुननेवाले....

3. मेरी मर्जी, चंगे हो जा, ये बोलकर किया शिफा ।
स्वामी ये बोलकर किया शिफा । (2) बिनती सुननेवाले....

4. रोगों को, क्रूस के द्वारा, उठा लिया तूने ।
यीशु उठा लिया तूने । (2) बिनती सुननेवाले....

18. खुद को चढ़ा दें ता

को. खुद को चढ़ा दें तो, सेवा कर पाएंगे,
खुद मर जाएं तो, सुख से जी पाएंगे । (2)

1. क्रूस उठाने से, भावना बदल जाएंगी,
धीरज रखने पर, शान्ति भी मिल जाएंगी । खुद को चढ़ा दें.
2. नाम और आदरमान, यीशु नाम के लिए,
उसकी महिमा करे, दीन और नम्र बने । खुद को चढ़ा दें .
3. कल की चिन्ता में, व्याकुल न हो बेटे,
अब तक संभाला है, आगे भी संभालेंगा । खुद को चढ़ा दें ..
4. धन संचय न करो, चोरी हो जाएंगा,
दे दो प्रभु के लिए, पूरा हो जाएंगा । खुद को चढ़ा दें ..

19. सर्वशक्तिमान अपना मेरा

को. सर्वशक्तिमान अपना मेरा, मृत्युंजय महान जीवन मेरा,
सर्वशक्तिमान स्वामी मेरा, मृत्युंजय महान दुल्हा मेरा ।
आ..हा..हा...यह आश्चर्य है, ओ..हो...हो...यह सच ही तो है।

1. जानी है एक बड़ी बात, पाया है एक बड़ा धन,
यीशु ही रक्षक है, यीशु ही राजा है । सर्वशक्तिमान
2. शान्ति और सर्वानन्द, उमड़ रहा दिल में मेरे,
पापों को धो डाला, मुझको किया निझर । सर्वशक्तिमान
3. परलोक में नाम मेरा, लिख डाला यीशु ने,
यीशु नाम सुबह शाम, हो मेरा ये ही काम । सर्वशक्तिमान
4. गाँव से गाँव बोलूँगा, सुनले जहाँ सुनाऊँगा,
यीशु मेरा जीवित है, जल्दी आवेगा । सर्वशक्तिमान

20. यीशु में मुझको आनंद है

को. यीशु में मुझको आनंद है, आनंद ही आनंद मुझको सदा,
आनंद है, आनंद है, यीशु में आनंद है। (2)

1. प्रति दिन ढँढ़ तुझे,
नाचू मैं होके मंगन । आनंद है...
2. ये जग सारा सपना है,
यीशु ही अपना है । आनंद है...
3. ज्यादा से ज्यादा जानूं तुझे,
पास से पास आऊँ तेरे। आनंद है...
4. जीवन के मेरे राजा हो तुम,
नैय्या के मेरे किनारा हो तुम । आनंद है...

21. यीशु के पीछे मैं हो लेता

को. यीशु के पीछे मैं हो लेता,
मुझके न देखूँगा (2)
छोड़ के दुनिया, क्रूस को लेके,
यीशु के बहते, रक्त के द्वारा, मिल गया छुटकारा ।

1. दुनियादारी शान और शौकत, सब कुछ त्याग दिया,
सारा जीवन तन मन धन सब, उसको दे दिया,
मैं हूँ मंदिर, यीशु है मुझमें,
चाहे जहाँ रहूँ, चाहे जो भी करूँ, स्तुति सदा करूँगा ।
2. दुःख संकट और कोई मुसीबत, रोक न पाएगी,
यीशु की जय से, यीशु के प्रेम से, जय मनाऊँगा,
कल का दिन भी, हो दुर्दिन भी,
जीए या मरें, दूत भूत भी, कुछ नहीं कर पाएगे ।

3. सारे जगत में, यीशु मसीह को, राजा होना है,
 आत्मा के द्वारा, सेवा के द्वारा, राज को बढ़ाना है,
 मेरा भारत यीशु को जाने,
 यीशु की जय का, सुंदर नारा सभी जगह गूँजे ।

22. व्याकुल क्यों बेटे

को. व्याकुल क्यों बेटे, व्याकुल क्यों बेटी,
 करुणामय यीशु, कभी नहीं छोड़ेगा,
 हाथ न छोड़ेगा, साथ न छोड़ेगा ॥

1. पर्वत चाहे टल जाएं, सागर चाहे हिल जाएं,
 दीनदयाल प्रभु टलने वाला नहीं,
 हिलने वाला नहीं, मिठने वाला नहीं ।

2. रोके चाहे ये दुनिया, टोके चाहे ये दुनिया,
 सृजनहार प्रभु हाथ में ले लेगा,
 हाथ में रखेगा, हाथ में थामेगा ।

3. होगी न तुझको कोई कमी, होगी न तुझको कोई घटी,
 जहां भी तू जाएगा, दूत भी जायेंगे,
 दूत उठ लेंगे, दूत संभालेंगे ।

23. उसने कहा मैं प्यासों पर

को. उसने कहा मैं प्यासों पर जल बरसाऊँगा,
 तेरी मरम्मूमि को लहलहाऊँगा,
 बारिश उण्डेल छाये बहार,
 मैं प्यासा खड़ा हूँ तेरे द्वार ।

1. प्राणियों पर बारिश को उण्डेल,
 जन जन में जागृति की बारिश को उण्डेल ।

2. पुरुनियों जवानों पर बारिष को उण्डेल,
सपनों और दर्शनों की बारिश को उण्डेल ।
3. धारा के किनारे के पेड़ के समान,
धर्मियों को हर समय में फल लाना है ।

24. राजा यीशु आये हैं

- को. राजा यीशु आये हैं,
सब मिलके गायेंगे, ताली बजाएंगे,
खुशियां मनाओ, खुशियां मनाओ,
चिंता छोड़ो स्तुति गाओ,
चिंता छोड़ो खुशियां मनाओ ।
1. तुम मांगो वो सुनेगा, कमी घटी को पूरा करेगा,
मन से बुलाने वालों के (2)
दिल में आएगा । खुशियां मनाओ...
 2. करुणा में अव्वल है, माफी में कामिल है,
पास तेरे रहता है वो (2)
तू भी पास आ । खुशियां मनाओ.....
 3. आंसुओं को पोछेंगा, हाथों को थामेगा,
दिल की सारी हसरत को (2)
पूरी करेगा । खुशियां मनाओ....
 4. निर्बल को बल देगा, रोगी को छूलेगा,
शैतान भी कांपेगा,
यीशु के सामने । खुशियां मनाओ.....
 5. टाटा शैतान को टाटा, टाटा झगड़े को टाटा
सिनेमा को टाटा, टिक्ही को टाटा

25. यीशु राजा - हो मालिक

को. यीशु राजा - हो मालिक तुम मेरे,
मैं ये सोचूँ मैं ये चाहूँ, तेरी मर्जी पूरी करूँ।

1. तेरे लिए जीवन मेरा, तुझ से हूँ प्रेम करता,
बलिदान से मुझे खरीदा (2)
परलोक खोल दिया । (2)

यीशु राजा...

2. जब तक ये जीवन रहे, सेवा तेरी होती रहे ,
मर्जी है तेरी यही (2)
भूलूं मैं तुझको नहीं । (2)

यीशु राजा...

3. पिता मैं पास तेरे, होता आनन्दित मग्न,
हरदम मैं देखूँ तुझे, (2)
दिल मेरा चाहे यही । (2)

यीशु राजा...

4. मेरे देश में हर जगह, हे पिता तेरा राज हो,
न गरीबी न हो पतन, (2)
बदले ये सारा वतन । (2)

यीशु राजा...

26. यीशु आप रहेंगे साथ

को. यीशु आप रहेंगे साथ , हम कभी न होंगे निराश,
आप सब कुछ संभालेंगे, यीशु सब कुछ संभालेंगे ।

- | | |
|---|--------------------|
| 1. शान्ति दाता आप ही तो है,
सर्व-शक्तिमान् आप ही तो है । | यीशु आप रहेंगे.... |
| 2. चमत्कार करते आप ही तो है,
सम्मति देते आप ही तो है । | यीशु आप रहेंगे.... |
| 3. माँ और पिता आप ही तो है,
देते सहारा आप ही तो है । | यीशु आप रहेंगे.... |

मेरा यीशु है भला

27.

को मेरा यीशु है भला,
हरिगिज़ न छोड़ेगा, हरिगिज़ न त्यागेगा,
जय मिलकर हम गाएंगे,
शत्रु को हराएंगे, देश को जीतेंगे।

- | | |
|---|-----------|
| 1. करता मुझ पे करम, आराम देता है,
हर मुश्किल में मुझे, राहत देता है। | मेरा यीशु |
| 2. आँखों को देखता, आहों को सुनता,
कष्टों को सहता-2 मेरे, मुझको छुड़ाता । | मेरा यीशु |
| 3. हर परिक्षा में, मैं न डरूँगा,
हक को पाकर के-2 मेरे, राज मैं करूँगा । | मेरा यीशु |
| 4. दूटे हुए मन से, सच्चे हृदय से,
यीशु को अपना लो, कमियों को भर देगा । | मेरा यीशु |

28. पाप क्षमा के निश्चय

को. पाप क्षमा के निश्चय को पाना होगा,
 स्वर्ग में जगह हमें पाना होगा ।
 यीशु देता है, आज देता है,
 इसलिए क्रूस पर रक्त बहाया ॥

- | | |
|--|--------------|
| 2. चाहते हो शान्ति तो यीशु देता है,
चाहते हो मुक्ति वो यीशु के पास है । | पाप क्षमा के |
| 3. चिन्ता और बोझों से क्यों दबे हो,
यीशु के पास आजा वो जीवन देगा । | पाप क्षमा के |
| 4. रक्त के बगैर कोई माफी नहीं,
यीशु नाम के बिना कोई मुक्ति भी नहीं । | पाप क्षमा के |

29. मन हमारे रहनेवाले

को. मन हमारे रहनेवाले पावन आत्मा,
राहों पे अपनी रात दिन हम को तू चला।
आत्मा प्रभु , आत्मा प्रभु,
परिशुद्ध आत्मा प्रभु ॥

1. कैसे दुआ मांगू ,क्यों मैं दुआ मांगू ,
सिखा मुझको आत्मा प्रभु ।
वचन को समझू भेदों को देखूँ ,
ज्योति दे आत्मा प्रभु । आत्मा प्रभु
 2. चिक्ता फिकर छोडू , तुझ को ही निहालूँ,
सिखा मुझको आत्मा प्रभु ।
भलाई न भूलूँ मन से स्तुति करूँ ,
सिखा दे आत्मा प्रभु । आत्मा प्रभु
 3. कहाँ मुझको जाना, क्या है मुझको कहना,
राह दिखा आत्मा प्रभु ।
जहाँ तू न चाहे, वहाँ मैं न जाऊँ ,
रोक मुझे आत्मा प्रभु । आत्मा प्रभु

30. बड़ी भोर तेरे दर्शन

1. बड़ी भोर तेरे दर्शन को मैं, चरणों में आता हूँ,
आराधना स्तुति और प्रशंसा, पिता को चढ़ाता हूँ ॥
- को. आराधना, आराधना, आराधना, आराधना,
मेरे यीशु राजा की, पवित्र आत्मा प्रभु की ।
2. हर दिन के हर एक पल में, तेरा यीशु ध्यान रहे,
मेरे मूँह के वचनों से, दूजों के घाव भरे । आराधना...
3. तेरे इच्छा तेरी चाहत, मेरा मन सबल करे,
उदृँ प्रार्थना वीर बनकर, हर पल को सफल करे । आराधना...
4. कलाम को सुनाना, मेरा मकसद होना है,
तेरे नाम को सुनाने, पूरे देश में जाना है । आराधना...
5. मैं ने खुद को चढ़ाया है, पावन बलिदान बनाके,
अब तू ही मुझको चलाना, अभिषेक देते रहना । आराधना...

31. दिल ये चाहे मेरा

- को. दिल ये चाहे मेरा, संगसंग रहूँ सदा,
मर्जी हो पूरी तेरी, है ये तमन्ना मेरी ।
यीशु मेरे प्यारे सनम्, मन में बसे मरे हमदम ।

1. क्या न किया मेरे लिए, सब कुछ पूरा किया,
बोझ मेरा भार मेरा, तू ने मसीह खुद ले लिया ।
यीशु मेरे प्यारे सनम, मन में बसे मरे हमदम ।
2. सागर दया का शांति का सोता, करुणा कर्ता तू,
दल दल से खीचा मुझे, मेरा हितैषी दाता हैं तू ।
यीशु मेरे प्यारे सनम, मन में बसे मरे हमदम ।

3. तू है सरतांज, तू आफताब, तू ही सबसे बुलंद,
कुदरत तेरी कुव्वत तेरी, मुझ पर सदा तेरी नज़र।
यीशु मेरे प्यारे सनम, मन में बसे मरे हमदम ।

32. गुजरी जिन्दगी को जब

को. गुजरी जिन्दगी को जब याद करता हूँ,
आंसुओं के साथ तुझे धन्य कहता हूँ मैं
अब्बा तेरी जय हो, राज तेरी जय हो ।

1. मैं अनाथ भटका और खोया हुआ था,
ना रोना कहके मुझे गले लगाया। अब्बा तेरी जय हो
2. सारे विरोधों को करके दूर,
हर समय स्तुति से रखा भरपूर। अब्बा तेरी जय हो
3. तकलीफ सहने की शक्ति तूने दी,
जीवन की शुद्धता में रहनुमाई की। अब्बा तेरी जय हो
4. रोज रोज भोजन से तृप्ति किया है,
रोज रोज तन को मेरे तूने ढका है। अब्बा तेरी जय हो

33. यीशु को मन में

को. यीशु को मन में, जब मैं बसाता,
मेरा मन झूमता, खुशियाँ मनाता
मेरा मन झूमता, धन्य कहता ॥
हाँ - हाँ - ला - हमम्

1. दुःख चिंता को दूर भगाता,
झर मिटाता, स्वर्ग दिखाता
संसार का प्रभु, हृदय का राजा ॥

यीशु को मन में

2. श्राप और कटुता को, थल से मिटाता,
कष्ट और क्रूसों को, कोमल बनाता ॥
3. दुनियादारी जड़ से मिटाता,
नाते रिश्ते कूड़े से लगते ॥
4. यरीहो नगर को, बिल्कुल गिराता,
भाले बरच्छी को टुकड़े कर ड़ालता ॥

संसार का प्रभु

संसार का प्रभु

संसार का प्रभु

34. स्वर्ग के हे प्रभु

को. स्वर्ग के हे प्रभु, महाराजा मेरे,
तुझ से हो मिलन, दिल की ये लगन ॥

1. मुझाको संवारते, महिमा के मेघ तुम,
अपने स्वरूप में, रचना मुझे प्रभु ।
हर दिन दिल मेरा, तेरे लिए हाँफता प्रभु ,
हर पल हर क्षण, तेरे लिए प्रेमी प्रभु ।

2. हर्ष के सागर में, दूबूंगा नित्य मैं,
स्तुति में नाचूंगा, पवित्र बनूंगा ।

हर दिन दिल मेरा

3. यीशु के प्रेम का झण्डा लहराये,
माता की गोद सा तेरी गोद में मैं रहूँ ।

हर दिन दिल मेरा

35. दुनिया पे आँख लगी तो

को. दुनिया पे आँख लगी तो, छीन गया तेरा अभिषेक,
लोगों पर आस लगी तो, हाय गया तेरा अभिषेक ।
तो संभाल तू संभाल,
पाए हुए अभिषेक को तू संभाल ॥

- 1 फंस न जाना अभिमान में, वह गरीबी साथ लायेगा,
पड़ न जाना धन के मोह में, तुझे पाताल में ले जायेगा ॥
- 2 नाशमान दौलत से, अपने लिए मित्र बना ले,
जब तू स्वदेश जायेगा, तो स्वागत सम्मान पाएंगा ॥
- 3 बुलाहट में बने रहो तो, अभिषेक को बचा रखोगे,
बुलाता जो वफादार है, तुझे हर दिन संभालेगा ॥

36. और कोई चाहत नहीं

को. और कोई चाहत नहीं, यीशु राजा,
तेरे बगैर तेरे बगैर । (2)

1. शरण है तेरे चरण, चूँमूँ तेरे चरण,
तम में उजाला तू, मुझको बचाता तू । और कोई चाहत
2. मुझपे रहम किया, रूप नया है दिया ।
चंगाई तू ने दी, शक्ति तू ने दी । और कोई चाहत

37. सैनिको जागो

को. सैनिको जागो, देश को जगाना है, जागो रे,
इंडिया में हर जगह, यीशु नाम के लिए, जागो रे ।
जागो रे, जागो रे, देश को जगाना है, जागो रे ...

1. नरकलोक जानेवाले बेबस लोगों को, क्यों न बचाएं,
नगर नगर गांव गांव बन्धनों से लोगों को, क्यों न छुड़ायें ।
2. माया में स्वर्ग को भूल जाने वालों को, अब बचाना है,
पाप और धन में जो फर्से हुए है, उन्हे बचाना है ।
3. खेत पक चुके है मजदूर की कमी को, जान लो बेटे,
कट्टनी का समय है सही अवसर है, जान लो बेटी ।

4. यीशु को न जानते ऐसे करोड़ों हैं अपने देश में,
चुप्पी साधे बैठना ठीक नहीं बन्धु जाग उठो आज ।
5. चल पड़े हम चल पड़े देश को जगाने को चल पड़े,
इंडिया में हर जगह यीशु नाम के लिए चल पड़े ।

38. सूखी हड्डियाँ जीवित हो जायें

को. सूखी हड्डियाँ जीवित हो जायें,
जुड़कर सब एक मनुष्य बन जायें,
प्रभु मंडलाओ, मंडलाओ, आत्मा प्रभु । आज

1. नसे उन में आ जायें, तेरी मर्जी हो जायें । प्रभु मंडलाओ..
2. माँस भी चढ़ जायें, वचन समा जायें । प्रभु मंडलाओ..
3. चमड़े से ढक जायें, पवित्र बन जायें । प्रभु मंडलाओ..
4. पैरों पे आ जायें, प्रभु संग चलने लगे । प्रभु मंडलाओ..
5. सेना बन उठ जायें, देश में भर जायें । प्रभु मंडलाओ..

39. जीवन जल आत्मा प्रभु

को. जीवन जल आत्मा प्रभु ,
बहती नदियाँ सा आ तू प्रभु
आ प्रभु सद्गुरु , बहती नदियाँ जैसा ॥

1. थोड़ा झूबू काफी नहीं, ज्यादा झूबू काफी नहीं,
पूरा पूरा झूबना है, झूब झूब मगन होना है ।
आ प्रभु सद्गुरु , बहती नदियाँ जैसा ॥
2. इसमें बहती आरोग्यता, इसमें मिलती है शुद्धता,
इसमें बहती है शांन्ति, इसमें मिलती सम्पन्नता ।
आ प्रभु सद्गुरु , बहती नदियाँ जैसा ॥

3. कोटि कोटि मछुआरे आओ, जल्दी जल्दी जालें लगाओ,
गाते गाते मछली पकड़ लो, आत्माओं से घर भर दो ।
आ प्रभु सद्गुरु , बहती नदियाँ जैसा ॥
4. नदी के तट पर पेड़ अनेकों, देने होंगे फल भी अनेकों,
पत्ते बन जायेंगे दवा, फल बन जायेंगे भोजन ।
आ प्रभु सद्गुरु , बहती नदियाँ जैसा ॥

40. मेरे स्वामी आत्मा प्रभु

को. मेरे स्वामी आत्मा प्रभु ,
मुझको ग्रहण कर पावन मेरे प्रभु,
आत्मा प्रभु, मेरे मन में बसने वाले ॥

1. मेरा सोच तेरा ही हो, मेरी बातें तेरी ही हो,
हर दिन मुझे राह दिखा, अपनी इच्छा से मुझको चला ।
2. चमत्कार करने हारे, आराम देने हारे,
घाव मेरे बाँध सभी, आँसू मेरे पोछन हारे ।
3. तू है मेरा कुम्हार, रूप नया दे मुझे,
तोड़ मुझे फिर से बना, हाथ में ले उपयोग कर ।

41. तेरे गम सब खुशी

को. तेरे गम सब खुशी में बदलेगा,
तेरी फिकरें आँसू दुःख सब हर लेगा,
रोना न बेटे, रोना न बेटी (2)

1. बीती बातों को बिसरा दे, उन पर क्या रोना,
प्रभु करेगा काम नया, अब तू देखेगा,
व्याकुल न होना (2) मेरा यीशू थाम लेगा ।

2. पावन हृदय चाह रहा, खेदित मन को थाम रहा,
धाव मेरे सब बॉध रहा, ऑसू पौछ रहा ।(तेरे)
3. सहन के बाहर कष्टों में, कभी न छोड़ेगा,
सहने की शक्ति देगा, बचने की राह देगा ।
4. अच्छी दौड़ हम दौड़ेगे, विश्वास को थामेंगे,
धर्म मुकुट हम पायेंगे, प्रिय प्रभु आकर देगा ।
व्याकुल न होना, (2) मेरा यीशू थाम लेगा ।

42. तुझको मैं प्रसन्न रख सकूँ

1. तुझको मैं प्रसन्न रख सकूँ, हे प्रभु मुझे ये सिखा,
तू मेरा ईश्वर, सुशोभित परिशुद्ध आत्मा प्रभु ,
अपनी सीधी राह में लेके चल मुझे (2)
मेघ स्तम्भ तू अग्नि स्तम्भ तू ,
शुभ ज्योति तू पावन प्रभु । (2)
2. तुझको देख कर अपने हाथों को,
मैं उठा कर होता हूँ मगन,
जैसी हाँफती हिरणी,
हाँफता ये मन मेरा, हर एक दिन,
हाँफते, हाँफते तड़पता है (2)
मेरी झँका, मेरी चाहत, मेरी आशा, तू ही तो है । (2)
3. अपना प्रेम प्रति भोर को,
दिखला दे करुणानिधि,
अपने इमानदारों को,
अच्छी राहों के नक्शे कदम,
हर दिन चलाओ, दिव्य प्रभु जी । (2)
प्रेम शिखर तू प्रेम रनेह तू , मेरे मीत तू , मेरा धाम । (2)

43. तेरा नाम ऊँचा उठे

को. तेरा नाम ऊँचा उठे, तेरा राज आवे,
तेरी मर्जी पूरी होवे,
अब्बा - पिता हे अब्बा, अब्बा- पिता हे अब्बा ॥

44. घाटियाँ सभी भर ढालें हम

घाटियाँ सभी भर डालें हम,
 पर्वत सारे ढाह ढाले हम
 ठेढ़ा है जो सीधा करें,
 राजमार्ग समतल करें ।

को. राजा आ रहा है तैयार हो,
यीशु आ रहा आगे हम बढ़े । (2)

1. फल न लाते जो, ऐसे पेड़ों को,
कांटा और आग में, फेंका जाएगा ।
 2. गेहूँ को जम्मा कर, खत्ते में सजा कर,
भूसे को आग में, झोका जाएगा ।

- उस दिन ये अम्बर जल जाएगा,
धरती भी सारी गल जायेगी
 - शुद्ध मन से निष्कलंक बन,
जियेंगे प्रभु में, आगे बढ़ेंगे ।

45. अति शीघ्र ही ठल जायेगी

को. अति शीघ्र ही टल जायेगी, ये तकलीफ़ें दो दिन की,
ना होना निराश तू, ना होना निराश ।

1. भीतरी मनुष्य के दिन बंदिन,
नया बनाने की रूत है अभी । ना होना निराश...
 2. अपरम्पार महिमा,
इसी में हमको मिलेगी । ना होना निराश...
 3. देखी दुनिया से मोह नहीं,
अनदेखी स्वर्ग पे आँख लगी,
ना होंगे निराश, हम न होंगे निराश ।
 4. यीशु की खातिर मरना पड़े,
तो ये हमारा सौभाग्य है । ना होंगे निराश...
 5. महाराजा यीशु आयेंगे,
तब हम खुशियाँ मनायेंगे । ना होंगे निराश...

46. धन्यवाद करता हूँ प्रभु

को. धन्यवाद करता हूँ प्रभु, स्तुति मैं करता प्रभु,
धन्य - यीशु राजा, धन्य - यीशु राजा । (2)

1. अब तक संभाला धन्य राजा,
नया दिन दिखाया धन्य राजा । धन्य - यीशु राजा

2. शरणस्थान गढ़ है मेरा धन्य राजा,
आराम शांति देता, धन्य राजा । धन्य - यीशु राजा

3. संकट में रक्षा की धन्य राजा,
चमत्कार किया है, धन्य राजा । धन्य - यीशु राजा

4. मुझको उठाया है धन्य राजा,
चंगा किया है, धन्य राजा । धन्य - यीशु राजा

5. मेरा तू मित्र बना धन्य राजा,
माता सा प्यार दिया, धन्य राजा । धन्य - यीशु राजा

47. सुबह सुबह स्तुति बलि

को. सुबह सुबह स्तुति बलि,
अब्बा पिता, देगें तुझे,
आराधना स्तुति बलि,
अब्बा पिता, देगें तुझे,
अब्बा पिता देगें तुझे, अब्बा पिता देगें तुझे ॥

48.

जागते करें प्रभु -प्रार्थना

को. जागते करें प्रभु -प्रार्थना,
 सोये नहीं करते रहें प्रार्थना,
 हम सोये तो बैरी बोएगा,
 हम खोए तो बैरी जीतेगा (भूलें)

1. देह को मारना, भोजन त्यागना,
 धीमे बोलना, शक्ति में बढ़ना ।

जागते करें

2. हँजा जैसे, रोना होगा,
 बेट्य पाने तक, मन उण्डेलना है ।

जागते करें

3. हँजा जैसे, रोना होगा,
 जागृति लाने तक, मन उण्डेलना है ।

जागते करें

4. दानियेल जैसा जपना भजना,
 शेरों के मुँहों को हर दिन बाँधना ।

जागते करें

5. जेल में पौलुस जैसे हो प्रार्थना,
 द्वारों को खुलना बन्धन दूटना ।

जागते करें

49. प्रार्थना की आत्मा उण्डेल

को. प्रार्थना की आत्मा उण्डेल,
 प्रार्थना प्रार्थना करें ।

1. स्तुति बलि, दीन प्रार्थना, हर पल हमे चढ़ाना है ।

2. उपवास और त्याग कर के, हर दिन बिनती करना है ।

3. खुले द्वार पे, खड़े रह कर, देश के लिए हमे रोना है ।

4. घुटने सभी झुकना है, आँखें सभी नम होना है ।

50. आत्मा हमारे प्रियतम

को. आत्मा हमारे प्रियतम,
अपना ले हमको लेके चल,
अपना ले हमको अग्नि बना,
प्रेम से भर कर सुंदर बना,
प्रेम से भर कर शृंगार कर ।

1. बिनती करने वाले प्रार्थना के वीर, स्तुति के योग्य यीशु प्रभु,
शैतान की सारी चालों को,
नष्ट करने आ तू प्रभु । आत्मा हमारे
2. मरे हुए हमारे शरीरों को, जीवित करने वाले,
नाशमान सारे कामों को,
नाश करने आ तू प्रभु । आत्मा हमारे
3. जब जब हम सब निर्बल हो, देना सहारा प्रभु,
वर्णन से बाहर आहें भर के,
प्रार्थना करना प्रभु । आत्मा हमारे
4. नई सृष्टि के रचनाकार, मन को रच दे नया,
राजा यीशु के आने का,
हर पल रहे इन्तजार । आत्मा हमारे

51. यीशु राजा की स्तुति हो

को. यीशु राजा की, स्तुति हो सर्वदा,
संग वो रहता मेरे, स्तुति हो उसकी सदा ।

1. प्रभु है तेरे काम अनेक, नित्य लगाता हूँ ध्यान,
सम्पूर्ण मन से तेरा ही नाम,
गाता रहूँगा सदा । यीशु राजा की

2. त्यागा हुआ था, खोया था मैं,
बचाओ प्रभु पुकार उठा,
तू ने सहारा दिया ।

यीशु राजा की

3. सारे पापों को क्षमा किया,
रोगों को चंगा किया,
दलदल के जीवन से खीचा मुझे,
मुझे बचा लिया ।

यीशु राजा की

4. अब से मैं जीऊँगा तेरे लिए,
तेरी महिमा के लिए,
तेरे ही प्रेम को करके बयान,
गाता रहूँगा सदा ।

यीशु राजा की

52. तेरी आत्मा नित रहे

को. तेरी आत्मा नित रहे मेरे मन में,
तेरा नाम गाता रहूँ हर पल में ।

1. तेरा प्रेम मेरे अद्वदर खिलना है,
बूराई से मुक्त होके जीना है।

तेरी आत्मा....

2. पाप का स्वभाव सब दूर होना है,
प्रभु आत्मा के संग चलना है।

तेरी आत्मा....

3. जीवन जल, नदी जैसा बहना है,
क्रूस तले देश को आना है।

तेरी आत्मा....

4. वरदान, फल सब दिन बढ़ना है,
सेवा कर दौड़ पूरी करना है।

तेरी आत्मा....

5. अदन जैसी संगति में बढ़ना है,
यीशु की आवाज सुन के झूमना है।

तेरी आत्मा....

53. तेरे नाम की महिमा ढोवे प्रभु

को. तेरे नाम की महिमा होवे प्रभु,
तेरा राज्य इस जग में आवे प्रभु ।

प्रार्थना करते हैं हम, स्तुति करते हैं हम,
दया करो स्वामी, दया करो प्रभु ।

1. इंडिया ने यीशु को जानना है,
तम में रहने वाले ज्योति पाना है । तेरे नाम की....
 2. शैतान के कामों को ढाना है,
पाप हटा के शान्ति यहां लाना है ॥ तेरे नाम की....
 3. आँसू बहाते हम रोते हैं,
हाथ फैलाए निहारते हैं । तेरे नाम की....

54. महाराजा तेरा यह बड़ा नाम

को. महाराजा तेरा यह बड़ा नाम,
कोने - कोने मे जाना है,
शान्ति है तेरे वचन में, सभी को सुनाना है ।

1. भटकी दुनिया को, कलवरी के प्रेम को,
पाकर मग्न होना है, निष्कलंक जीना है ।
 2. अंधेरे जहां को, पाकर उजाला,
उद्धार पाना है, यीशु नाम बोलना है ।
 3. शत्रु को हराकर, श्राप को मिटाकर,
आजाद होना है, विजयी जीवन जीना है ।
 4. अंधे अब देखें, लगड़े अब दौड़ें ,
बहरों को सुनना है, संदेश सुनाना है ।

55. पालनहारे मेरे यीशु मसीह

को. पालनहारे मेरे यीशु मसीह के,
चरणों में मेरा धाम, पाता जहां विश्राम ।

1. आंधी तूफान में ढोले जब नैया,
तू मेरा लंगर है - हर दिन तू मेरा लंगर है
2. लगते थपड़ें, जब सामने से,
तू मेरा रक्षक है - हर दिन तू मेरा रक्षक है
3. दया का सागर, क्षमा की खानि,
तू मेरा आनंद है - हर दिन तू मेरा आनंद है

56. यीशु नाम है मेरा

को. यीशु नाम है, मेरा रहने का स्थान,
भक्ति से गाऊँ जयगान ॥

1. यहोवा यिरे सब कुछ देखेगा,
स्तुति हो तेरी स्तुति हो । (2)
2. यहोवा निस्सी देता जय विजय,
स्तुति हो, प्रभु स्तुति हो । (2)
3. यहोवा रफ्फा चंगाई देता है,
स्तुति हो, तेरी स्तुति हो । (2)
4. यहोवा रोही अच्छा चरवाहा,
स्तुति हो, तरी स्तुति हो । (2)
5. यहोवा शम्मा संग रहता है,
स्तुति हो, तेरी स्तुति हो । (2)

57. प्रभु ने बनाया दिन

को. प्रभु ने बनाया दिन ये जय का है,
 आज मग्न हो हम,
 आनन्दित हो, हल्लेलूया गायेंगे।
 हल्लेलूया हार नहीं है, हल्लेलूया जय हमारा।

1. मेरा सहायक जो, परमेश्वर मेरा,
 रहता है साथ साथ,
 मेरे विरोध में, जगके लोग थे,
 क्या कर पायेंगे ।

हार नहीं है मुझ को,
 जय के साथ बढ़ुँगा,
 हार नहीं है हमको,
 जय के साथ बढ़ेंगे। प्रभु ने बनाया.....

2. प्रभु मेरा है बल, वोही मेरा भजन,
 वोही मेरा उधार,
 धर्मियों के तम्बुओं में,
 जय जय कार गायेंगे।

हार नहीं है मुझ को,
 जय के साथ बढ़ुँगा,
 हार नहीं है हमको,
 जय के साथ बढ़ेंगे। प्रभु ने बनाया.....

3. पत्थर जिसको वे त्यागे थे मगर,
 कोने का सिरा बना,
 प्रभु का है ये काम अद्भुत है जरूर,
 ताली बजाके गायें।

हार नहीं है मुझ को,
जय के साथ बढ़ूँगा,
हार नहीं है हमको,
जय के साथ बढ़ेंगे।

प्रभु ने बनाया.....

4. तू रहता सदा, नाम तेरा प्यारा,
कहते हैं हम सदा,
संकट में जब, दोहाई देते हैं,
आता है पास तू ।

हार नहीं है मुझ को,
जय के साथ बढ़ूँगा,
हार नहीं है हमको,
जय के साथ बढ़ेंगे।

प्रभु ने बनाया.....

58. तुझ को महिमा देकर

को. तुझ को महिमा देकर, मन खुशी से भरता,
तेरे बाट जोह कर, दिल मेरा उमड़ता।

1. हाथो से चलाता है,
अब तक वह सम्भाला है।
धन्यवाद, धन्यवाद ।

तुझ को महिमा.....

2. आंसुओं को मिटाता है,
घाओं को सुखाता है।
धन्यवाद, धन्यवाद ।

तुझ को महिमा.....

3. तू है भला, तू है महान,
तेरी नजर मुझ पे सदा।
धन्यवाद, धन्यवाद।

तुझ को महिमा.....

4. तू जो है, और जो था,
आगे भी, तू ही सदा
धन्यवाद, धन्यवाद ।

तुझ को महिमा.....

59. प्रभु में खुशियाँ मनाये हम

1. प्रभु में खुशियाँ मनाये हम,
कष्टों को भूल कर स्तुति गायें,
जय जय कार के साथ मैं गाऊँगा,
आनन्द से बलिदान चढ़ाऊँगा ।

को. आनन्द की, बलि आनन्द की,
अब्बा पिता तुझे मिले।

प्रभु में खुशियाँ....

2. पाप और श्राप दूर हुआ,
पवित्र जीवन तो आया है।

आनन्द की...

3. भय और धबराहट दूर गया,
दुःख सहने का बल आया है।

आनन्द की...

4. दुःख दर्द सारे हट गया है,
शैतान से लड़ने बल आया है।

आनन्द की...

5. झंण्डा प्रेम का मुझपर लेहराता,
यीशु तेरी सेवा में बद्धा रहूँ।

आनन्द की...

୬୦. ଧର୍ମ ବଲି ଧର୍ମ ବଲି

को धन्य बलि धन्य बलि, धन्य प्रभु तुझे मिलें,
भोर को ही आनन्द है, अब्बा तेरे चरणों तलें।

1. कल के दुख सारे, आज मैं भूल गया,
आई है शान्ति अभी, सारे जिवन में प्रभु।
कोटि कोटि धन्य इड़ी.....(3) ४

धन्य बलि..

2. रात भर सम्भाला है, और दिया नया दिन,
प्रेमी है मेरे प्रभु, आज तुझमें रहुँ मै मगन।
कोटि कोटि धन्य इड़ी.....(3)

धन्य बलि..

3. सेवा के राहों में, तू ने दिया है उमंग,
जी जान से करने सेवा, जीवन में सामर्थ दिया।
कोटि कोटि धन्य इड़ी.....(3)

धन्य बलि..

4. दुःख दर्द मुझ को कभी, तुझ से जुदा न करें,
साये में तेरे रहूँ, सारे जीवन में प्रभु।
कोटि कोटि धन्य इड़ी.....(3)

धन्य बलि..

61. प्रभु के हाथ है मेरे साथ

को. प्रभु के हाथ है मेरे साथ, मुझको कोई इर नही है।

1. ले चलता और सम्भालता मुझे,
आखिर तक वो चलाता मुझे। प्रभु के हाथ....

2. खिलाता मुझे सुलाता मुझे,
दुश्मन से वो बचाता मुझे। प्रभु के हाथ....

3. सीने से मुझको लगाता है वो,
बच्चों सा मुझको दुलाता है। प्रभु के हाथ....

4. मुझको लहू से धोता है वो,
उधार से मुझ को सजाता है। प्रभु के हाथ....

62. मेरा सब कुछ यीशु है

को. मेरा सब कुछ यीशु है, तेरे सम्मुख आनन्द है

1. कितना प्यारा है, तेरे संग प्रभु,
ये बदन और ये दिल हाफता तेरे लिये। मेरा सब..

2. बल नया देता है, तेल नया उण्डेलता,
फलदायक पेड़ समान बढ़ने देता है। मेरा सब कुछ..
3. अब्बा तेरे सामने कब में पहुँचूगां,
चेहरा देखकर तृप्त हो जाऊँगा-तेरा मेरा सब कुछ..
4. मधु से मीठ है, स्वाद में अमृत है,
अनमोल खजाना तू जो खोज से न मिले। मेरा सब कुछ

63. झूमता है दिल

को. झूमता है दिल, ले लेकर तेरा ही नाम
स्तुति हो स्तुति हो सदा,
खुशी से भरता मन, झूमता है दिल।

1. बढ़ता है प्यार तेरा, अब्बा तेरे साये में,
बढ़ता है अभिषेक तेरा, एवनेजर के छाये में।
2. खुशियों से भरता है दिल, जब तेरे साथ हूँ मैं,
कमियाँ होती हैं पूरी, गाता जब तेरी स्तुति।
3. बढ़ता है विश्वास मेरा, चरनों में तेरे प्रभु,
बढ़ती भलाई मुझ में, तेरी स्तुति से सदा।
4. जब तेरी ओर देखता हूँ, बीमारी हो जाती दूर,
तेरे ही नाम से प्रभु, शैतान भी भागता है दूर।

64. ताली बजाके खुशियाँ मनाओ

को. ताली बजाके खुशियाँ मनाओ,
प्रभु के संमुख आनन्द मनाओ।
आनन्द मनाओ, आनन्द मनाओ,
सब दुःख भूल के आनन्द मनाओ।

- | | |
|--|----------------|
| 1. विनती से विचारों से,
बढ़कर करता है। (2) | आनन्द मनाओ.... |
| 2. भयभीत न हो मैं ने छुड़ाया तुझे,
तू है मेरा अपना। (2) | आनन्द मनाओ.... |
| 3. निश्चय भलाई और करुणा,
जीवन भर साथ सदा। (2) | आनन्द मनाओ.... |
| 4. ज्ञान सिखाता, राह बताता,
वचन वो देता सदा। (2) | आनन्द मनाओ.... |
| 5. संकट में अगर हम दोहाई दे,
छुटकारा देगा हमें। (2) | आनन्द मनाओ.... |

65. यीशु के हम संतान

को. यीशु के हम संतान, आनन्दित है हरदम,
यीशु के हो संतान, खुशियाँ मनाते रहो।

66. निरन्तर धन्यवाद तुझ को मिलें

को. निरन्तर धन्यवाद तुझ को मिले,
तुझ सा न कोई महिमा को ले।

1. जो कुछ गुजरा धन्य प्रभु,
साथ भी छोड़े धन्य प्रभु।

धन्य धन्य, निरन्तर धन्यवाद तुझ को मिले, तुझ सा

2. दुंदते आया मुझे धन्य प्रभु,
मुझे पहचाना धन्य प्रभु। धन्य धन्य निरन्तर...

3. शान्ति तू ने दिया धन्य प्रभु,
तू ही सनातन धन्य प्रभु। धन्य धन्य निरन्तर...

4. तू ने मुझे देखा धन्य प्रभु,
आँसू मेरा पोछा धन्य प्रभु। धन्य धन्य निरन्तर...

5. धर्मि तू ही है धन्य प्रभु,
जय मुझे दिया धन्य प्रभु। धन्य धन्य निरन्तर...

6. अनादि है तू धन्य प्रभु
राजय करता तू धन्य प्रभु। धन्य धन्य निरन्तर...

67. राजा तेरे महल में

को. राजा तेरे महल में, रात दिन मैं बैठा रहूँ ,
स्तुति में मगन बो जाऊँ, सब दुःख भूल जाऊँ।

1. बल मेरे, गढ़ मेरे, आराधना हो तेरी,
शरण मेरे आधार मेरे, आराधना हो तेरी ।

आराधना, आराधना, अब्बा पिता तुझको मिले ॥

2. पवित्र बनाता यहोवा मेकादीस, 'आराधना हो तेरी,
सृजनहारा, यहोवा होसेनु, आराधना हो तेरी। आराधना
 3. परमप्रदान, सब से महान, आराधना होतेरी,
छुड़ानेवाले, बचानेवाले, आराधना हो तेरी। आराधना

68. तारीफ से शैतान भागता

को तारीफ से शैतान भागता, बुझ बुझ से फिर से आता।
स्तुति में गायें दीवार ढुँढ़े, खुशी में गाये यरीहो पायें।

1. दाउद के गीत ने शऊल को छुड़ाया,
गडबड है खतम तसल्ली पाया। स्तुति में गायें ...
 2. स्तुति के सामर्थ इर को हटाता,
विश्वास की वचनों से गिरता गोलियात। स्तुति में गायें ...
 3. चरवाहे को राजा बनाया,
आराधकों का प्रमोशन निश्चय। स्तुति में गायें ...
 4. योना की तारीफ मछली के अन्दर,
आज्ञा मिल गया पहुँचा निनवे। स्तुति में गायें ...
 5. मूँह में तुरही, हाथ में है वचन,
खुद को तोड़कर जय को दिलाता। स्तुति में गायें ...

69. किसी बातों में व्याकुल न हो

को. किसी बातों में व्याकुल न हो बेटे
प्रभु यहोवा तुझ को चलाएगा

2. चंगाई देता यहोगा राफ़ा है
चंगा करेगा तुझे (2) किसी बातों में...
3. नया बल पाके, पंख बिछाके तू, ऊँचे उड़जाओगे,
और न तक पाओगे। किसी बातों में...

70. सब कुछ कर सकता है

को. सब कुछ कर सकता है सर्व शक्तिमान
तेरी युक्ति कोई भी न होत विफल

1. तेरे निर्णय को कौन बदल सकता प्रभु ,
मेरे लिए तू ने जो ठाना, उसको तू पूरा करता है।
तेरी हो आराधना, मे जीवन भर में प्रभु
2. मैं क्या हूँ कि तू मुझे याद करे,
हर भोर मेरी सुधी लेता,
हर पल मुझ को जाँचता। तेरी हो आराधना....
3. मुझे परखे तो सोना समान निकलूँ ,
मेरे मार्गो को जाने तू ,
तेरा बचन मेरा भोजन है। तेरी हो आराधना...
4. तेरे अद्भुत कर्म गिनती से बढ़ कर है,
घायल करके भरदेता,
मारता और प्यार करता। तेरी हो आराधना.....
5. मुंजी मेरे तू ही सदा जीवित है,
धरती पे जिस दिन तू आयेगा।
आँखों से अपनी मैं देखूँगा।
कब आआवोगे तू प्रभु, दील मेरा हाफता है।
तेरी हो आराधना...

71. सम्भव है सब सम्भव है

को. सम्भव है सब सम्भव है,
तुझ में सब सम्भव है।
असंभव, तुझ से असम्भव,
असंभव कुछ भी नहीं।

1. सागर पर तू है चला, आन्धी को तू ने डाटा,
शैतान पर पाया विजय, सर्वशक्तिमान तू। संभव है
2. लाल समुद्र ने तुझे, देखकर दूर हो गया,
यरदन नदी भी तुझे, देखकर पीछे हटा। संभव है
3. मरके जीवित हुआ, मृत्यु पर जयवन्त हुआ,
फिर से आयेगा तू, रूपान्तर देगा हमें। संभव है
4. तेरा नाम कहना ही है, शैतान भागता है दूर,
तेरे नाम में हाथों से, बीमारी होती है दूर। संभव है

72. आत्मा प्रभु प्रेमी तू प्रभु

को. आत्मा प्रभु प्रेमी तू प्रभु,
आत्मा से मुझ को तु चला।

1. राहों को तेरे जानलूँ प्रभु,
मार्ग अपने मुझ को तू बता।
तेरे वचन के रोशनी में,
दिन ब दिन मुझ को तू चला। आत्मा प्रभु
2. आँख की पुतली सा संभाला मुझे,
उकाब की तरह ले चलता,
पंखों तले अपने तू प्रभु,
मुझ को छिपाले सदा। आत्मा प्रभु

3. दिन की धूप में छाया हो मेरे,
आंधियों में तू है शरन,
बारिशों में तू आङ है मेरा,
तू ही केवल एक सहारा ।

4. व्यायी भी है तू आत्मा प्रभु,
आग भी है तू आत्मा,
पापों को शुद्ध कर प्रभु,
हे पवित्र आत्मा प्रभु।

73. स्तुति के वस्त्र पहनकर

को स्तुति के वस्त्र पहनकर, चिन्तोओं को भूलकर,
स्तुति में मगन हो जाए, हम प्रभु में मगन हो जाए ।

1. आज के दिन प्रभु के दान ये दिन,
इस में हम आनन्दित हो,
न रोना है न शिकायत है,
आज हम पावें हम देवें, आनन्दित हो।

स्तुति हो, स्तुति हो और मगन हो,
दुःख दर्द सारे भूल जाओ।

2. प्रभु मे हम जब होते मग्न,
वोही हमारा है बल,
हर भलाई जो उसने दिया,
आओ उसको ऊँचा करतें है हम। स्तुति हो....

3. धन्यवाद और स्तुति गीतों से,
उसके द्वार से हम प्रवेश करे,
वोही भला और दयालू सदा,
आओ उसको ऊँचा करते हैं हम। स्तुति हो....

4. दुःख बदला उसने आनन्द में,
 आज आनन्द ही आनन्द है,
 हट गया है बोझ की आत्मा,
 आज उत्साह की आत्मा आया है।

स्तुति हो....

74. जो भी हुआ उस में सब

को. जो भी हुआ उस में सब भलाई है,
 आज करें धन्यवाद दिल से तुम,
 जो भी होगा उस में सब भलाई है,
 आज करें धन्यवाद दिल से तुम,
 धन्यवाद, धन्यवाद, हर भलाई के लिए धन्यवाद

1. बुराई, भलाई में बदल डाला,
 दुःखों को सुखों में बदल डाला।

धन्यवाद....

2. क्रूस के लिए तुझ को धन्यवाद,
 चिन्ता फिकर दूर किया धन्यवाद।

धन्यवाद....

3. मुझ को बनाया है नया तू ने,
 तोड़कर तुझ सा बनाया है।

धन्यवाद....

4. तू ने कहा तेरा फज़ल काफी है,
 कमियों में वो ही मेरा बल भी है।

धन्यवाद....

75. धन्यवाद की वेदि बनाएं

धन्यवाद की वेदि बनाएं,
 धन्य प्रभु किया भलाई,
 उसके बेशुमार दानों को,
 गिन गिन के गाऊँगा।।

धन्यवाद पिता, धन्य तू ही है।

1. जान देकर मुझे प्यार किया,
मुझ को धो के पाप दूर किया,
चुनलिया मुझ को अपनेलिए,
मुझ को सेवा अब तूने दिया ॥ धन्यवाद पिता.....
2. अपने सुन्दर वचन को दिया,
क्रूस पर तूने बहाया लहु,
तू लहु मे छिपाके मुझे,
बैरियों से बचाया मुझे ॥ धन्यवाद पिता.....
3. अध्यकार के राज दूर किया,
यीशु ने लिया अब अधिकार,
मौल लिया है उसी ने तुझे,
वारिस बनगया तू उस के ॥ धन्यवाद पिता.....
4. आखें दी मुझे तू ने प्रभु,
हाँठ स्तुति के मुझे तू ने दिया,
सेवा के लिए हाथ दिया,
दौड़ने के लिए पैर दिया ॥ धन्यवाद पिता.....

76. कामिल है प्रभु

1. कामिल है प्रभु, तुझ में ताज़गी,
तु बचाता है, पाप मिटाता है।
को आराधना, आराधना, जीवन भर आराधना
2. मेरे खातिर पीढ़ा सही, मुझ को मिली है क्षमा,
मेरे खातिर मारा गया, मुझ को मिली है शिफा।
3. सब पाप उठाने से, मैं बन गया धर्मी,
मुत्यु पर जयवन्त हुआ, अनन्त जीवन मिला। आराधना

4. मेरे खातिर त्यागा गया, मुझ को स्वीकार किया,
मेरे लिए निन्दा सही, महिमा में सहभाग दिया।
आराधना, आराधना, जीवन भर आराधना
5. क्रृस पे हुआ तू कँगाल, मुझ को बनाने धनवान,
मेरे श्राप उठाने से, आशिषित हूँ मैं निदान।
आराधना, आराधना, जीवन भर आराधना

77. मैं यहोवा को सदा धन्य

को मैं यहोवा को सदा धन्य कहूँगा,
उसकी स्तुति मूह से मैं करता रहूँगा।

1. मेरे साथ यहोवा की महीमा करो,
हम मिल कर उसको ऊँचा करें - 2
नाचते हुए धन्यवाद करें। मैं यहोवा को....
2. मेरी दुआ की उसने उत्तर दिया,
मेरे सारे भय से मुझे छुड़ाया - 2
नाचते हुए धन्यवाद करें। मैं यहोवा को....
3. उसकी ओर देखकर ज्योती पाई,
मेरा मुख कबी न काला हुआ-2
नाचते हुए धन्यवाद करें। मैं यहोवा को....
4. दुःखि होकर जब मैं ने उसको पुकारा,
सारे कष्टों से मुझे छुड़ाया - 2
नाचते हुए धन्यवाद करें। मैं यहोवा को....
5. चखकर जान लो प्रभु भला है,
धन्य है जो उस की शरण लेता है - 2
नाचते हुए धन्यवाद करें। मैं यहोवा को....

6. जवान सिहों को तो घटी होगी,
यहोवा के खोजियों को कमी न होगी -2
नाचते हुए धन्यवाद करे। मैं यहोवा को....

78. संकट के दिन में

को. संकट के दिन में सुनके दुआ, तुझ को संभालेगा,
साथ सहायक बनके तुझे, हर दिन चलाएगा।

1. तेरे बलिदानों को वो, करता है याद सदा,
धन्यवाद के भेटों को, दिल से ग्रहण करता। संकट के
2. तेरे मन की कामनाओं को, तुझ को वो देदेगा,
तेरी योजनाओं को भी, वो ही पूरा करेगा। संकट के
3. तेरे उद्धार के कारण वो, आनन्द से गायेंगे,
अपने प्रभु के नाम से, जय का झण्डा लहराएंगे। संकटके
4. जिसका गर्व रथों पर था, वे तो झुक के गिर पड़े,
जो प्रभु पर गर्व किये, वो खड़े रहेंगे सीधे। संकट के

79. आज के दिन से मैं

को. आज के दिन से मैं तुम्हें आशिषित करूँ,
बेशुमार दानों मैं तुम्हें भरूँ -2

1. तुझे एक बड़ी जाती बनाऊँगा,
और तेरा नाम महान मैं करूँगा,
तू आशिषों का कारण होगा-2 आज के दिन
2. तू जहां जाएगा साथ हूँ मैं तेरे,
वायदा निभाऊँगा और न त्यागूँगा,
जिस देश तू रेहता तुझे दूँगा -2 आज के दिन

3. बेहती विशाल नदी तू ही है,
झरने के पास लगी बाग भी है,
सुगन्ध देता जो चंदन तू है -2

आज के दिन

4. दस में एक भाग तू अगर दोगे,
स्वर्ग के खिड़कियाँ वो खोलेगा,
आशिषों से तुझे वो बरेगा -2

आज के दिन

80. बिनती हमारी तेरे आग

को. बिनती हमारी तेरे आगे, सुगन्ध जैसी उठे-2

1. प्राथना करनेवाले एलियाह देश में उठे,
दूटी वेदियों को फिर से बनाया जायें।
दूया हर परीवार फिर से बनाया जायें।

हे पिता ये दुआ -2

2. स्वर्ग की ज्वाला चारों ओर फैल जायें,
पापों के कर्म सब उस में जल जायें।

हे पिता ये दुआ -2

3. जो तुझसे है दूर तेरे करीब आयें,
तुझे प्रभु मानकर कदमों पे आजायें।

हे पिता ये दुआ -2

4. दुष्टाओं को भारत से दूर होना है,
शैतान के कार्यों को जरूर नाश होना है।

हे पिता ये दुआ -2

5. बादल प्रार्थना के भारत में छाजायें,
आंधी तूफान से बारीश हो जाएं।

हे पिता ये दुआ -2

81. आँखे लगाये रहें

को. आँखे लगाये रहें, प्रभू यीशु पर तुम,
बीती बातो को भूल, बद्धते रहेंगे हम।

1. हर एक बोझों को, उलझाने वाले पाप,
दूर करते हुए, धीरज से दौड़े हम। आँखे लगाये रहें

2. लज्जा की चिन्ता बगैर, क्रूस उठाया है,
पिता के सिंहासन के, दहिनि ओर बैठा है।

आँखे लगाये रहें

3. अपने दुश्मनों से, यीशु ने पीढ़ा सही,
याद करे उसको, हियाव न छोड़े हम।

आँखे लगाये रहें

4. दौड़ को आरंभ किया, आगे भी लेजाएगा,
वो ही करेगा पूरा, प्रतिफल भी देगा।

आँखे लगाये रहें

82. हे मेरे मन यहोवा को

को. हे मेरे मन यहोवा को धन्य कहो,
जो कुछ मुझ में, उसको ही धन्य कहो,
उसके किए हुए उपकारों को,
कभी नहीं भुलो, कभी भी नहीं भुलो। हे मेरे मन...

1. तेरे अधर्म को माफ करता,
रोगों को चंगा करता। हे मेरे मन...

2. गङ्गे से प्राण को बचाता है,
दंगा का ताज पहनाता है। हे मेरे मन...

3. जीवन भर उसके भलाइयों से,
भरपूरी से वो चलाता। हे मेरे मज़..
4. तेरी जवानी उकाब के समान,
नया बनाके चलाता सदा। हे मेरे मज़..
5. मूसा को अपने राह बताया,
आश्चर्य कर्मों को प्रगट किया। हे मेरे मज़..

83. मेरा सामर्थ जो यीशु

को. मेरा सामर्थ जो यीशु खिष्ट है,
उस में सब कुछ मैं कर सकता हूँ।

1. वो मेरी ज्योति है, मेरा उद्धार भी है,
वो ही है जीवन, और बल भी है। मेरा सामर्थ
2. दुश्मन जब मुझ को, खाजाने को आये,
ठोकर खाकर, वो गिर जायें। मेरा सामर्थ
3. मेरे विरुद्ध अगर, आये सेना भी,
इर नहीं दिल में, निश्चिन्त हूँ अभी। मेरा सामर्थ
4. संकट के दिन में, मण्डप में अपने,
छिपा रखेगा, सब संभालेगा। मेरा सामर्थ
5. मेरे शत्रु के आगे वो मेरे,
सिर को ऊँचा कर जय देता। मेरा सामर्थ

84. धन्य बली हो

को. धन्य बली हो, धन्य बली हो अब्बा तेरी
स्तुती आदर महिमा हो अब्बा तेरी -2

- | | |
|---|------------------|
| 1. चंगा किया , धन्यवाद,
बल भी दिया, धन्यवाद | धन्य बली हो..... |
| 2. भोजन दिया , धन्यवाद
वस्त्र दिया , धन्यवाद | धन्य बली हो..... |
| 3. प्यार किया , धन्यवाद
गले लगाया , धन्यवाद | धन्य बली हो..... |
| 4. साथ दिया, धन्यवाद
गीत दिया धन्यवाद | धन्य बली हो..... |
| 5. अभिषेक दिया, धन्यवाद
लगन भी दिया, धन्यवाद | धन्य बली हो..... |

85. हरी हरी चाराइयों

6. हाथ पकड़कर मुझको ले चलता है,
याद से देकर भोजन मुझे बल देता है।

मेरे प्रभु

86. तेरे सिवाय मेरा ना कोई

को. तेरे सिवाय मेरा ना कोई, स्वर्ग और धरती पर,
इस जग में तुझ को छोड़, और क्या चाहूँ मैं।

तू ही मेरी चाहत है,
तुझ से ही है मेरा लगन।

1. जीवन मेरा तेरे ही संग सदा,
अब्बा तू मेरे दहिने हाथ थामा है।

धन्यवाद दूं जीवन भर ,
धन्य प्रभु सर्वशक्तिमान।

2. तेरी इच्छा में मुझ को चलाता है,
आखिर मुझे महिमा में ग्रहण करेगा।

धन्यवाद...

3. तू ही प्रभु मेरे जीवन का बल,
तू ही सदा है भाग मेरे लिये।

धन्यवाद...

4. तू ही प्रभु मेरा भरोसा है,
रहूँ तेरे संग, यह मेरा सौभाग्य है।

धन्यवाद...

87. जब मैं चलूँ जल से

को. जब मैं चलूँ जल से, संग संग रहता वो,
जब अग्नि से चलूँ संग संग रहता वो।
दुर्बंगा नहीं, झुलसेगा नहीं,

1. प्रेम मुझे से है किया, और बहाया लहू,
मेरे पापों को धोलिया, मुझे छुटकारा भी दिया।

धन्यवाद

2. तेरी नजरों में प्रभु, मैं अनमोल हूँ,
आदर के पात्र हूँ प्रभु, आज आनन्द से नॉचता हूँ।

धन्यवाद

3. जंगल के जीवन में, पथ दर्शाया तूने,
नदियाँ पार कराया, नित आनन्द के गान दिया।

धन्यवाद

4. माँ बच्चे को अगर, भूल भी जाए,
हथेलि पे लिखा है नाम मेरा, तू मुझे भुलेगा नहीं।

धन्यवाद

88. हे मेरे प्राण शान्त हो तुम

को. हे मेरे प्राण शान्त हो तुम,
यीशु ने तेरा किया है. उपकार।

1. पैरो को ठोकर से बचाया है,
मृत्यु से तुझ को छुड़ाया है।

2. निर्बलता के बन्धन खोला उस ने,
मुझ सेवक को उठाया उसने,

3. भोलों की रक्षा वो करता है,
कमजोर दिलों को बचाता है।

4. बिनति मेरी सुनता है वो,
बिन भुले आनन्दित करता है वो।

5. प्यार करँगा धन्यवाद करँगा,
प्रार्थना सुनकर छुड़ाया मुझे।

89. तरस खाता मुझ पे यीशु

तरस खाता मुझ पे यीशु,
देता शिफा है मुझ को।

को. यहोवा राफा जिंदा आज भी,
देता शिफा है यीशु, आज भी देता।

- पतरस के सास को, उसने है चंगा किया,
ज्वर से मुक्त होकर, खुश होके सेवा किया।

यहोवा राफा....

- कोढ़ीयों को देख कर, यीशु हाथ बढ़ाके छुआ,
इच्छा है मुझ को शुद्ध हो, ये कहकर दी शिफा।

यहोवा राफा....

- एक स्त्री जो थी कुबड़ी, यीशु ने देखा उसे,
हाथ रखकर दी शिफा, सीधी होकर स्तुति किया।

यहोवा राफा....

- जन्म से अन्धा बर्तिमाई जो, यीशू को है पुकारा,
पाई रोशनी उसने, निकला संग यीशू के।

यहोवा राफा....

90. अब्बा मैं तेरे लिए अर्पित

- अब्बा मैं तेरे लिए अर्पित हूँ पूरा,
जब तक मुझमें जान है मैं रहूँ तेरा।

को. अर्पित हूँ मैं अर्पित हूँ -2

आत्मा प्राण और शरीर से अर्पित हूँ। -2

- दिल बदन सभी तुझे, देता हूँ प्रभु,
मुझ में छल, कपट न हो, तू बचा मुझे। अर्पित हूँ

੭। ਤਨ ਤਸੇ ਦੇ ਮਨ ਤਸੇ ਦੇ

को. तन उसे दे मन उसे दे खुशी से,
 अपने को दें अर्पित करें आनन्द से।
 इससे प्रभु तो प्रसन्न होगा,
 इस में उसकी महीमा होगी। - 2

1. एक घड़ी भी गर तुम दोगे,
तुझ को वो ही ऊँचा करेगा।
दस में एक भाग देकर देखो,
कर्ज बिना वो तुझे चलाएगा। तन उसे दे..
 2. धन्यवाद के गीत गाओ,
धन्य प्रभु साथ रहेगा।
जो कुछ भी हो धन्यवाद कर,
बुराई पर तू भलाई से जय पा। तन उसे दे..
 3. बिनती कर नित देश के खातिर,
औरों के लिए प्रार्थना कर।
अगुओं को भी याद रखना,
शान्ति हो पर हानी हो दूर। तन उसे दे..

4. विश्वास ही जय पायेगा जग पर,
विश्वासी कभी न घबराए।
मूँह के वचन से यहींहो पायें,
लाल समुद्र भी हटाजायेगा।

तन उसे दे

5. सुसमाचार ये सब को सुनाओ,
घर घर जाकर दे छुटकारा।
गवाह उठे जब भरदे कलीसिया,
प्रभु के आने की तैयारी कर।

तन उसे दे

92. तुझ को देखता है

को. तुझ को देखता है, तेरे आँसु पोछता है,
तू रोना नहीं, रोना नहीं, होगा चमत्कार।

1. कश्टों से थके हुए हो, तुझ पर उसकी नजर,
तसल्ली तुझे देगा वो,
क्षण भर में चंगा कर।

तू रोना नहीं.....

2. कर्ज में जो ढुबे हुए हो, उसकी तुझपे नजर,
साथ तेरे वो चलता,
कभी न छोडेगा।

तू रोना नहीं.....

3. तुफान से लड़ने वाले, तुझ को देखता है,
नैया में तेरे आकर,
शान्ति देगा वो।

तू रोना नहीं.....

4. तेरे दुश्मन के हथियार, होंगे न सफल,
तुढ़ से जो बैर करता,
संग हो जायेगा।

तू रोना नहीं.....

प्यार करूँगा-93

प्यार करूँगा मैं ज्यादा तुझ से
आराधना और गहराई से

पूरे मन से आराधना
पूरे बल से, प्रेम भी करूँ
आराधना, आराधना (2)

1. एबनेजर हो, एबनेजर हो
अब तक तू सहारा मेरा (तुझ)
2. एलरोई एलरोई
याद किया धन्यवाद प्रभु
3. यहोवा राफा, यहोवाह राफा
चंगा किया, धन्यवाद प्रभु

94- प्यारे प्रभु की

प्यारे प्रभु की गीत नया गाऊँगा

प्यार से मैं दिन ब दिन गाऊँगा

1. यहोवा मेरा चरवाहा है
मुझे कुछ घटी तो अब नहीं
आनन्द है मुझ को सदा
अब्बा तेरे संग मैं
2. हरी चराइयो में बैठाता
सुखदाई जल के पास लेजाता
3. नव जीवन रोज मुझे देता है
आत्मा को बल से मग्न करता है

4. घोर अन्धेरी वादि से मैं चलूँ
तो भी न हानि से मैं डरूँ
5. निश्चय भलाई और करुणा
जीवन भर होंगे मेरे संग
6. जीवित रहूँगा मैं तेरे घर
सदा ही सदा के जीवन भर
7. रहता है मेरे संग सर्वदा
सोटे से शान्ति वो देता

95- तुझ से ही

तुझ से ही प्रेम करूँ(3)
तू ही महान हो यीशु

चरणों में आराधना मैं करूँ
वचन को तेरे मनन करलूँ
चाहे कोई भी तूफान आने से
मैं नहीं घबराऊँगा ।

96- परमप्रधान

परमप्रधान, प्यारे प्रभु
तेरे ही प्यार से ही मैं
हिलने नहीं पाऊँगा

1. धन्यवाद दूँगा पूरे मन से
खुशी से धन्यवाद करूँगा
जिस दिन पुकारा जवाब दिया
मेरी आत्मा को बल दे दिया

2. दाहिने हाथ से बचाया मुझे
वायदा तु ने पूरा किया
मेरे लिए सब कुछ है किया
सदा रहेगा प्यार तेरा

3. तेरे मनन मे आनन्दिन हूँ
तेरे विजय में रहूँगा मगन
मन की इच्छा को पूरा किया
मेरी दोहाई न दुकराया

4. चाहे तु रहता आसमान मैं
दीनो पर तु रखता है नजर
कष्टो से भी अगर मैं गुजरान
तू जल्दी मुझ को चुड़ाता है

97 - असंभव कुछ भी नहीं

असंभव कुछ भी नहीं - तुझ से

असंभव कुछ भी नहीं

सब कुछ सिरजा है
सब पे राज करता है

1. स्तुति जब शुरू किए है
दुशमन अपने में ही
लड़कर मारे गए
तुझ से होगा, सब कुछ होगा

2. एक लाठी ले निकला
जो याकूब को तू ने
बढ़ाया है बड़ी भीड़ में (तुझ से....)
3. विधवा की आसू पे
बेटे के लाश तू ने
हाथों से जिन्दा किया
4. इसहाक की प्रार्थना से
रिबका जो बांझ थी
जुड़वे को जन्म दे दिया
5. सुन्दर नामके फाटक में
जन्म से जो लंगड़ा था
चल पड़ा है यीशु नाम से
6. एलियाह के कहने से
विधवा के घर में कभी
आटा तेल कम न हुआ
7. प्रार्थनावीर दानिएल को
सिंहो के मूँह से तू ने
हानि होने से बचाया

98- ऊँचे गाके हम

ऊँचे गाके शत्रु को जंजीर से बान्धले
दिन प्रति दिन प्रभु के नाम गाके ऊँचा करे

राजा यीशु जीवित रहता
खून बहाके जय देता

1. नये गीत गाके खुश हो सन्तो के संग में
स्तुति बलि हो उठे, जय के झांडा लहरे
जागृति देश मे हो उठा दिन समान

(राजा यीशु)

2. सिरजा है उसने हम को दिल में हो खुशी
अगुवा वो ही है, उछलने दे ये मन

3. अपने लोगो से प्रेम वो रखता है प्रेम
देता वो विजय, आदर करता है

4. प्रभु की महिमा के मूँह में हो भजन
देता वो हाथों में तलवार ये वचन

१० • ९९ - टेडे और हटीले

टेडे और हटीले ज़माने में
जीएं हम भोले बच्चों समान

राजा आ रहा, जल्दी आ रहा
हो तैय्यार, हो तैय्यार हम ।

1. कुड़कुड़ाए न, और न हो विवाद
आगे बढ़े सब काम करते हुए (राजा आ)

2. जीवित वचन थामे हुए
चमके हम ज्योत बनकर संसार में

3. हम होंगे यीशु के समान
देखेंगे हम, उसे जैसा वह है

4. ये तन जो है कमजोर
बदल जायेंगे महिमा के बदन में

5. गर्व होगा मसीह के दिन
व्यर्थ न रहा मेरा दौड़ परिश्रम
6. आसमान से यीशु की
आने की इन्तज़ार कर बैठे हम

100- तेरे सामर्थ

तेरे सामर्थ से मगन रहता हूँ

तेरी करुणा से न घबराता हूँ

प्यारे प्रभु तू ही काफी
तुझ से ही है सम्मान मेरा

1. मेरी विनती को न ही ठुकराया
मन की इच्छा को तू ने पूरा की प्यारे प्रभु.....
2. तेरे विजय से मैं महान हुआ
तेरे सम्मान से गरीबी दूर हुआ
3. जीने दौड़ आया सुख पाने आया
लम्बी आयु से अनन्त जीवन दिया
4. तेरे प्रेम से प्रेरित हो गया
सामर्थ चाता है तुझ में विश्वास से
5. आशिष देता तू जो रहता सदा
तेरे सामने में आनन्द की भरपूरी

9 • 101- भागो भागो

भागो भागो दूर भागो
व्यर्थ सब बातों को छोड़ भागो

भागो व्यभिचार के कार्यों से
1. यीशु को देख कर तुम दौड़ो
देख के दौड़ो, तुम देख के दौड़ो (मागो....)

2. झगड़ा और वादविवाद छोड़ भागो
शान्ति और प्रभु को रोज ढूँढो
रोज ढूँढो तुम रोज ढूँढो

3. जवानी की अभिलाषा छोड़ भागो
शुद्ध मन से स्तुति के गीत गाओ
गीत गाओ, तुम गीत गाओ

4. जग की लालसा छोड़ भागो
भक्ति और विश्वास को खोजते रहो
खोजते रहो तुम खोजते रहो

5. मेरा दौड़ना व्यर्थ न हुआ
पाऊँगा इनाम यीशु आने पर
आने पर यीशु आने पर

6. देह को वश में कर रोज भागो
इनाम के लिए देख कर भागो
देख कर भागो भाई देख कर भागो

7. मूर्तियों को छोड़कर तुम भागो
सिरजनहार को तुम रोज ढूँढो
रोज ढूँढो तुम रोज ढूँढो

102- मुझ को चुना

मुझ को चुना अपना डेरा
 चल फिरता दिल में मेरे
 बालक समान अपनालिया
 बात करता दिल से मेरे

अब्बा हे पिता तुझ को गाऊँगा
 जीवन भर तुझे ऊँचा उठाऊँगा

1. धर्म और अधर्म का क्या है अब नाता
 ज्याति और अन्धेरे में क्या एकता

छोड दिया अलग हुआ
 अपवित्र को न छूऊँगा अब्बा है...

2. जग के चालों से मुझे कोई नाता नहीं
 शैतान के कार्यों से मुझे कोई मेल नहीं
3. तू ने शुद्ध किया प्राण और आत्मा को
 प्रभु के भय से मैं पवित्र करूँ उसको

103- प्रभु परमेश्वर

प्रभु परमेश्वर राज करता
 सारे प्राणी स्तुति गाओ

1. मग्न होवे आओं करें आराधना उसकी
 आनन्द से करो ललकार, आओ उसके शरण (2)

राजाधिराजा, जय हो, जय हो
 प्रभुओ का प्रभु- जय हो, जय हो
 सदा तू रहता - जय हो जय हो
 फिर से तू आता- जय हो जय हो

1. नरसिंगा फूकते हुए आओ स्तुति करो
 सारंगी और वीणा से प्रभु की स्तुति करो

(2) (राजाधिराजा....)

2. स्तुति और गुणगान के साथ उसके द्वार चले
 उसका नाम ऊँचा हो धन्यवाद करें
3. ऊँचे स्वर के झांझ के साथ उसकी स्तुति करो
 सारे प्राणी मिलकर हम यीशु की स्तुति करो
4. प्रभु अपना सब से भला, वह है करुणानिधान
 ईमानदार पीढ़ी से, पीढ़ी तक ईमानदार

104- पास तेरे

पास तेरे बैठा रहूँ
 सीने से मैं लगा ही रहूँ

मेरे मसीह, प्यारे प्रभु
 प्रेम किया जीवन दिया

करता हूँ प्रेम, केवल तुझ से
 तू ही है मेरा मनन
 भजन करूँ सारे जीवन
 हो जाऊँ तुझ में मगन

105- व्याकुल न होना

व्याकुल न होना (2)

क्या खाऊँ जीवन में
 क्या पहनुँ ये तन में - ऐसे

1. देखो उडते चिडियों को
 बोते नहीं काटते नहीं
 परमपिता खिलाता उन्हे
 भूलेगा क्या बेटा / बेटी तुम्हे (व्याकुल न.....)

2. चिन्ता करने से
 बढ़ा नहीं पाएगे
 न एक पल भी आयू को
 और नया बल न पाएंगे

3. कल की चिन्ता में
 न त्यागो ईमान
 खोलेगा कल रास्ता
 कर तू अभी धन्यवाद

4. खोजोगे पहले धर्म और राज उसके
 पूरा करेगा वो ज़रूरते सब तेरी

106- तेरे नाम से

तेरे नाम से सम्भव है सम्भव सब है

तेरे सामने सम्भव है सम्भव सब है

तुझ से होगा, सब कुछ होगा

असम्भव कुछ भी है नहीं -तुझ से

1. तेरे वचन से तूफान रुक गया
तेरी नज़र से पतरस लोट आया (तुझ से.....)
2. तबिता मरी थी, दुआ से जी उठी
लकवे से एनियास चंगा हो चला
3. मछली के मुँह से सिक्का है मिला
गदही के मुँह से बोली है निकला
4. पैरो हो खडा पौलुस ने जब कहा
लंगडा चल पड़ा, लुस्त्रा नगर में
5. जवान यूतुखुस भी नींद से गिर पड़ा
पौलुस के दुआ से फिर से जी उठा

107- मेरे जीवन

मेरे जीवन की है आशा

तेरे ही संग रहूँ - (2)

रात और दिन भी तेरे ही संग रहूँ

जो भी हो जाए तेरे ही संग रहूँ

सदा समय तेरे ही संग रहूँ

1. मेरे जीवन की है आशा
 स्तुति गाके रहूँ मैं मगन -2
 रात और दिन भी, स्तुति गाके रहूँ मैं मगन
 जो भी हो जाए, स्तुति गाके रहूँगा मगन
 सदा समय स्तुति गाके रहूँगा मगन
2. मेरे जीवन की है आशा
 तुझ से ही प्रेम करूँ मैं -2
 रात और दिन भी, तुझ से ही प्रेम करूँ मैं
 जो भी हो जाए, तुझ से ही प्रेम करूँगा
 सदा समय, तुझ से ही प्रेम करूँगा
3. मेरे जीवन की है आशा
 तेरी इच्छा को पूरी करूँ -2
 रात और दिन भी, तेरी इच्छा करूँगा
 जो भी हो जाए, तेरी इच्छा करूँगा
 सदा समय, तेरी इच्छा करूँगा

108- तेरे आगे मुझको

- तेरे आगे मुझको आनन्द की भरपूरी है
 तेरे पास मुझको है खुशीया खुशीया सदा
 आनन्द की भरपूरी
 खुशीया तू सदा की
1. तू ही संभालने वाला
 आया हूँ तेरे शरण
 तू ही है अगुवा मेरा
 तू ही है आशा मेरी

तू ही है प्रभु मेरा
तू ही है अगुवा भी
आराधना तेरी हो, सारे दिन आराधना

2. तू ही है भाग मेरा
सदियों की दोलत भी तू
तू ही सलाहकार पिता
रात और दिन बात करता

तू ही है भाग मेरा
सदियों की दोलत भी
3. मेरी आँखों के आगे
तुझ को मै रखता हर पल
तू मेरे दहिने ओर है
गिरने नहीं देगा तू

तुझ को मै रखता हूँ
आँखों के सामने

4. दिल मेरा आनन्दित है
तन मेरा चैन से भरा
जीवन का राह बताया
गाऊँगा तेरे लिए

दिल मेरा आनन्दित है
तन मेरा चैन से भरा

109- जीवन भर हम

जीवन भर हम, आनन्द और खुश होने
भर हमें तेरी करुणा से

1. तू ही है धाम मेरा धरती पर
पीढ़ी से पीढ़ी तक शरण ही तू

तू ही भला, सर्व शक्तिमान
तुझ को सदा हो धन्यवाद
 2. धरती जगत रखने से पहले
अनादिकाल से तू मेरा प्रभु (तू ही भला....)
 3. अपने दुखो के बदले मे
हमें तू दे दे आनन्द के दिन
 4. अत्भुत कार्यों को हम को दिखा
महिमा स्तुति को प्रगट तू कर
 5. हमारे कार्यों को दृढ़ करना
सब कामों में जय देना
 6. अपने दिन गिनने की समझ हमें दे
ज्ञान से भरा एक दिल हमें दें
 7. आयू हमारी सत्तर ही
चाहे बल के कारण होंगे अस्सी

110- मुझ को सिखाके

मुझ को सिखाके चलाता है
याद दिलाके संझाता है

आत्मा प्रभु, पवित्र आत्मा प्रभु

रहता सदा हमारे संग

हर पल भी और हर दम

सत्य आत्मा हो प्रभु

मुझ को तू बनाता गवाह

(आत्मा प्रभु....)

2. संज्ञाता है सच्चाई को

याद दिलाता मुझ को वचन

सब कुछ मुझे सिखानेवाले

तू ही सलाहकार मेरा प्रभु

3. प्रभु के लिए होने बलिदान

अर्पित जीवन मैं जीऊँ

महिमा से महिमा देते हो

रूप बदल कर करते मगन

4. सेवा करने चुनलिया है

देता वचन सारा जहाँ

सुसमाचार देने वाले

मुझ को सदा उठानेवाले

111. आओ चले बेतेल

आओ चले बेथेल

जहाँ पिता का घर

भलाई बेशुमार, की यीशु ने

तारीफ गाये हम, स्तुति, वेदी बनाये हम

- 1) मुसीबतों में, मदद की है
प्रभु का शुकर करो - (2)
राह में हर पल, संग रहा वो
प्रभु का शुकर करो - (2)
- अब्बा हे पिता, शुक्रिया, शुक्रिया - (2)
आओ चले बेथेल
- 2) हर कदम पे, संग रहके
रक्षा करूँगा, कहा - (2)
वादा पूरा होने तक मैं
हाथ नहीं छोड़ूँगा - (2)
- अब्बा हे पिता, शुक्रिया, शुक्रिया - (2)
आओ चले बेथेल
- 3) जन्म से लेकर, आज दिन तक
तूने रखवाली की - (2)
अब्राहम, इसहाक की,
रहनुमाई की हे प्रभु मेरे - (2)
- अब्बा हे पिता, शुक्रिया, शुक्रिया - (2)
आओ चले बेथेल
- 4) हर बदी से, मुझे छड़ाके
तूने किया उद्धार - (2)
चरवाहा बनकर, जिन्दगी भर
तूने अगुवाई की - (2)
- अब्बा हे पिता, शुक्रिया, शुक्रिया (2)
आओ चले बेथेल

112. नहीं यहा मेरा

नहीं यहा मेरा, कोई, तेरे बिन
तेरे सिवा लगे, नहीं, कही दिल - (2)

मेरी आशा तू है खुदा

सब कुछ मेरा तू ही खुदा - (2)

यीशु मेरे मुक्तिदाता

तू ही जरूरत मेरी - (2)

1) दिल का परबत, तू है खुदा

भाग मेरा, तू ही खुदा - (2)

हर पल हूँ मैं, संग तेरे

दाया हाथ थामे, अगुवाई दी - (2) मेरी आशा

2) तेरे निकट ही, भलाई मेरी

मेरे दिल की, धड़कन तू ही - (2)

तेरी मर्जी पे राह मेरी

जो अन्त में, महिमा से भरी - (2)

3) भूमि पर जीवन के सारे दिन

कामो का तेरे करूँगा बयान - (2)

तेरी शरण में रहूँगा मैं

जीऊँगा मैं तेरे विश्वास में - (2) मेरी आशा

113. बल मेरे

बल मेरे रखवाले, है ईमान तुझ पे

मदद तेरी काफी है (2)

1) दिल मेरा आनन्द से

हे मगन झूम उठे - (2)

गाके धन्य कहे
तेरे अब बारी है - (2)

- 2) भर दे आशीषे, भारत देश में
दे दे उन्हे नजान, बरसा तेरा करम - (2)
- 3) अच्छे चरवाहे, अपनी राह पे चला मुझे
संभालो हर समय, प्रभु पालन हारे - (2)

114. कठिन प्रभु

कठिन प्रभु तुझसे, कुछ नहीं है
असंभव तुझसे, कुछ नहीं है - (2)

को : कुछ नहीं है यीशुजी कुछ नहीं है
असंभव कुछ भी नहीं है - (2)

- 1) तूने सामर्थी वचन से - (2)
रचा आसमाँ और जमीन - (2)
अपने ही भुजबल से
संभाला है सारी सृष्टि - (2) कुछ नहीं है----
- 2) तुझसे असंभव प्रभु
कोई चमत्कार नहीं है - (2)
हजारो हजार पीढ़ी को
दया दिखाने वाले खुदा - (2) कुछ नहीं है----
- 3) मुनुष्यों के हर काम पर,
तेरी है तीखी नजर - (2)
बदले मे हर काम के,
तू देता है प्रतिफल - (2) कुछ नहीं है----

115. उत्तर आए स्वर्गीय मेघ

उत्तर आए स्वर्गीय मेघ

बुरसे जमीन पर कृवत की मेघ

झीले ऐसी सारे, नदियाँ जैसी बहे - (2)

- 1) न बचे कही कोई जगह
जमके बरसे इस तरह - (2)
पुनर्जीवन देश पाए
आँखे मेरी देखे - राजा (2) ----- झीले

2) फरिश्ते स्वर्ग से उतर आए
स्वर्गीय सीढ़ी के जरिए - (2)
याकूब के प्रभु की आवाज गूँजे
सुने कलिसियाओ उसे - (2) --- झीले

3) पहली शताब्दी जैसे ही
उद्भुत चमत्कार मण्डली मे हो
अंधे देखे बहरे सुने
लंगडे चलने लगे - (2) ----- झीले

116. यीशु राजा मेरे

यीशु राजा मेरे

करता हैं प्यार तुझे

जीवन के सारे दिन

करूँ मे प्यार तुझे (2)

करूँ प्यार तुझे --- (4)
जीवन के सारे दिन
करूँ मे प्यार तुझे

- 1) चमत्कार करने वाले, आशा नायक तू है (2)
आनंद तू है, शान्ति तू है, करता हूँ प्यार तुझे (2)
--- करूँ प्यार तुझे
- 2) तू है इम्मानुएल, मेरे संग रहनेवाले - (2)
जीवनदाता, पावन वचन, करता हूँ प्यार तुझे - (2)
---- करूँ प्यार तुझे
- 3) तू है दाखलता, दाऊद का मूल है - (2)
चमकता हुआ भोर का तारा, करता हूँ प्यार तुझे - (2)
--- करूँ प्यार तुझे

117. मेरे समझ से बढ़कर

मेरी बिनती से बढ़कर
समझ से बाहर, है अपरम्पार
काम करने की तेरी शक्ति
हो महिमा तेरी - (2)

- 1) बिन सन्तान की, दुखी थी हन्ना
छ : बच्चो की बनी धन्य माँ - (2)
शामुएल बना नबी खुदा का - (2) - --- मेरी बिनती
- 2) सुलैमान ने ज्ञान माँगा
लंबी आयु और धन भी पाया - (2)
बेमिसाल थी शान उसकी - (2) --- मेरी बिनती

यूसुफ ने चाही जेल से मुक्ति
हुक्मत की दी, ऊँची पदवी - (2)
सारा मिस्त्र था उसके हाथ मे - (2) ---मेरी बिनती

3) दास बनके आया भुख मिटाने
पर बेटे जैसा अपनाया तूने - (2)
गले लगा के, गाए गीत खुशी की - (2) ---मेरी बिनती

118. आसमानी खुदा मेरे

आसमानी खुदा मेरे, पराक्रमी प्रभु तू है - (2)
हुक्मत तेरी सारे जग में, असंभव तुझसे कुछ नहीं है - (2)

- 1) एल्शडाय, एल्शडाय सर्वशक्तिमान तू है - (2) यीशु
स्तुति तेरी हो, तारीफ तेरी हो, आराधना हो,
यहोवा निसी, जय मुझे देनेवाले - (2)
- 2) स्तुति तेरी हो, तारीफ तेरी हो, आराधना हो - (2) यीशु
यहोवा राफा, चंगाई देने वाले - (2)
- 3) स्तुति तेरी हो, तारीफ तेरी हो, आराधना हो - (2) यीशु
एलरोई, एलरोई नज़र मुझ पर रखनेवाले - (2)
- 4) स्तुति तेरी हो, तारीफ तेरी हो, आराधना हो - (2) यीशु

119. रहम करनेवाला

रहम करने वाला प्रभु यीशु
आज ही करेगा चमत्कार - (2)
तू न रोना, व्याकुल न होना - (2)
आँसू तेरे पोछेंगा

- 1) बड़ी भीड उसने जब देखा
तरस खाया, चंगा किया

पाँच रोटी ली और धन्यवाद किया
 सबको खिलाया, किया निहाल
 को--जिन्दा है, यीशु, जिन्दा है,
 पराक्रम मे वो है महान---तू न रोना

- 2) विधवा के आँसू को देखा
 तरस से कहा, ना रोना
 पास आके, अर्थी को छूआ
 मुर्दा उठा, लगा करने बात --- जिन्दा है
- 3) अडतीस सालों से, कुण्ड के पास
 पडे हुए को ढूँढने चला
 खाट उठाके चलने, वो लगा
 पाप अब न करना, उसे कहा ---जिन्दा है
- 4) दूर से ही, बेटे को देखा
 तरस खाके दौड़ा उसके पास
 बाहों मे लेके उसको चूमा
 घर में किया बड़ा जेवनार ---जिन्दा है

120. निश्चय मुसीबते

निश्चय मुसीबते होगी खतम
 आशा तेरी ना टूटे - (2)

- 1) प्रभु से लिपटा रह
 मन को वचन से भर - (2)

वो ही दिखाएगा राह

उसी में तू बढ़ता चल - (2)

तेरा मन न डरे, हिम्मत कभी न छोड़े

ढौड़ निशाने की ओर, गाओ सुति हर रोज - (2)
निश्चय मुसीबते होगी खतम

आशा तेरी न ढूटे

2) जलन से नाता तोड़

दूर हो तेरा क्रोध - (2)

प्यार पोशाक बने

सारे झगड़े मिटे - (2) ----- तेरा मन

3) जुबां से सच्चे बोल

यदि बोलो हर रोज - (2)

प्रभु का पावन मन

तुझ पर होगा प्रसन्न - (2) तेरा मन---

121. तूने सुनी प्रार्थना

तूने सुनी प्रार्थना, जय प्रभु तूने दिया - 2

त्यागा नहीं तूने, चलाया हाथ थाम के - (2)

स्तुति का गीत गाके

तूफानों को शांत करने

नया राग पाया है - (2)

शुकरिया, तू है भला

आज और सदा तू है महान - (2)

1) आंसू को तूने देखा

हाथ मेरा तूने थामा

तूने सुनी याचना - (2)
छुटकारा तूने दिया - (2)

शुक्रिया---

- 2) एबनेज़र, तू है खुदा
अब तक सहायक रहा (2)
एलरोई तू है पिता
तूने मुझे भी देखा (2)

शुक्रिया---

- 3) तुझसे लिपटे हुए
भरोसा करके तुझपे
सम्पूर्ण शांति तू है
हृजुरी तेरी काफी है (2)

शुक्रिया----

122. होके मगन

होके मगन तू, सियोन की बेटी, मना खुशी (2)
इस्त्राएल तू, आनन्द से जयनाद कर
सारे मन से, आनन्द का इजहार कर
पूरे बल से, गीत गा तू झूम कर
होके मगन तू मना खुशी
आनन्द का जयनाद कर (2)

- 1) सजाओ से, तुझको दी मुक्ति
शत्रुओं की सेना, दूर हो गई (2)
आया है वो, बीच तेरे
क्लेशी का ना होगा, नामो - निशां (2)
- 2) तेरे कारण, वो है मगन
तेरे बारे मे, गाता है गान
दिन - प्रतिदिन वो ध्यार से
नवजीवन है देता तुझे (2)

3) ढीला न छोड होथो को तेरे
डरना नहीं तुम, आशा खो के (2)
मिट गयी है शर्मिन्दगी
दुख तेरे अब रहेंगे नहीं (2)

123. राजा तुझे मैं देखूँ

राजा तुझे मैं देखूँ
रात - दिन स्तुति करूँ
आमद का करता इंतजार
कब आओगे, एं खुदा

1) अंत का समय है ये
जानता हूँ निश्चय मैं - (2)
मैं था सोया हुआ
जागा तुझे देखने (2)
आना है, आना है, तुझे जल्द से
राह तेरी ताक कर, बैठा हूँ मैं (2) राजा तुझे----

2) दूल्हे से करने मिलन
उन कुंवारियो के समान (2)
तेल और मशाल ले के
रोशन हुई तेरे लिए (2) आना है----

3) सच्चे सेवक समान
तूने जो तोडे दिये (2)
उनसे और कमाऊँगा मैं
भागी हूँगा आनन्द में (2) आना है----

4) खूब दूँगा, मैं दिल से
सेवा को बढाऊँगा

यतीम, बेसहारो के आंसूओं को पोछूँगा (2)

आना है- - -

124. सुबह का गीत

सुबह का गीत तू है

रातो का खाब है (2)

मेरी रुसि तू है

हर पल भजूंगा तुझे (2)

1) यरूशलेम मैं, जो भूलूँ तुझे (2)

दायঁ হাথ মেরা সুখে

महिमा आनन्द की, न मानू तो

गुंगी हो मेरी जुबान (2)

आनन्द की भरपूरी तू है खुदा

दूल्हा मेरे, ना भूलूँ तुझे (2)

2) चिन्ताएँ आके, बेचैन करे

तेरे प्यार ने, दी खुशियाँ (2)

पाँव फिसले, गिरने लगा मैं

करूँना से थाम लिया (2)

आनन्द की----

3) माता की गोद मे, बच्चा जैसे

भर गया आनन्द से

अब से हमेशा, मेरा भरोसा

तुझ पर ही तो है (2)

आनन्द की---

125. सिंहासन पे विराजमान

सिंहासन पे विराजमान, तेरी आराधना

प्रभु पवित्र मेम्ने, तेरी आराधना

तेरी आराधना (4)
सिंहासन पे विराजमान, तेरी आराधना
प्रभु पवित्र मेम्ने, तेरी आराधना (2)

- 1) अभयस्थान मेरे
सेनाओं का प्रभु तू है (2)
मुसीबतों मे तू
करीबी मददगार है (2) तेरी आराधना---
- 2) संग रहके, दी शक्ति
गिरने पर, मज़बूती दी (2)
बुराई से बचाके मुझे
ले जाओगे स्वर्गलोक में (2) तेरी आराधना---
- 3) आग की जलती भट्टी
मुझे नहीं छू सकेगी (2)
मेरा अराध्य प्रभु
होने नहीं, देगा हानि (2) तेरी आराधना---

126. चंगा करो प्रभु तुम

चंगा करो प्रभु तुम, यहोवा राफा (2) - आज
यीशु के नाम से, यीशु के लहू से
पाक रूह की कुवत से (2)

- 1) कुबड़ी नारी को तूने
सीधा किया उसने सुति की (2)
पूरी शिफा तूने दी
तेरे लिए जीने लगी (2) चंगा करो----
- 2) कोढ़ी सभी शुद्ध हुए
तेरे हाथो के छूने से (2)

घोर व्याधियाँ दूर हुई
अपार हैं तेरी शक्ति (2)

चंगा करो---

127. चाहत मे तेरी अपार

चाहत मे तेरी अपार
 खुशियाँ मिली है मुझे
 तेरा वचन हृदय में (2)
 रोज करता हूँ, ध्यान मैं
 हालेलूयाह (2) महिमा तेरी हो
 हालेलूयाह (2) आदर तेरा हो

- 1) धीरज से, किया हन्तजार
 तूने खुनी, मेरी पुकार - 2
 उठाके, दलदल से
 खड़ा किया, चट्टान पे - 2

2) स्तुति का, नया भजन
 जीभ में, दी तूने
 देखकर, कई आँखे
 ईमान लाएँगे - 2

3) कितनी ही कितनी, भलाइ
 जीवन में, तूने की - 2
 कैसे करूं बयान
 वर्णन से, है अपार - 2

128. प्रभु के खोज में

प्रभु की खोज मे सारे दिन
काम में उसने, जय दी है
भलाई इतनी बेशुमार
यीशु प्रभु ने की है
अबसे सदा, जीवन मेरा
हे यीशु तेरे लिए

1. I Praise You

I Praise You O Lord
And worship Your Name

1. El Shaddai, El Shaddai,
Almighty God You are
2. Jehovah Shalom
You are the God of Peace
3. Jehova Raphah
You are my healer
4. Holy Holy Lord
You are my King O Lord

2. Me and My house

As for me and my house
We will serve you O Lord
We will serve you O Lord (2)

1. You are wonderful
You are mighty God
You are Prince of peace
You are my everything
We love you
We worship you - (2)
2. Holy Holy Lord.
King of Glory Lord
Heaven is Your throne O Lord
I bow at Your feet O Lord

3. You are beautiful
Bright and morning star
Lord of all the earth
I give myself to thee

3. The Arm of the Lord

The Arm of the Lord is Upon me
I will not fear nor be dismayed

1. He'll sustain me.
He'll carry me
He'll lead me till the end

2. He'll cleanse me,
With his precious blood
He'll clothe me
With his righteousness

3. He'll feed me.
He'll take care of me
When the enemy comes,
He'll chase him away

4. Happiness Forever

Happiness forever
(My) Jesus gives to me

I'll Praise Him, Praise Him
Praise Him forever

1. I shall dwell, under the shadow
of the Almighty

He is my rock and my refuge
I will cling to him

Hallelujah praise the Lord
Hallelujah praise the Lord

From the 'G to the 'O' to the 'D never done
The son is here keep us on the run

Look again but don't dismay
Its all black and white with no proof of grey

Dwelling in the shadow of His mighty wings
I'm tellin ya happiness He brings

A 1000 the left 10000 to the right
Yo we've got the blood of Christ

Angels Angels I never see
But with His love they cover me

Life Eternal & Salvation Stays
Happiness forever in every way

2. I shall tread on the lion and the adder
I shall trample them
He has given me Power and Authority
Over the enemy - Hallelujah.

5. I Will Sing

I will sing, sing a new song to Jesus
Celebrate His name
I will sing, sing and glorify
And Celebrate the King

1. He washed me by his blood
He healed me by his stripes
He comforted me thro his words (2)
He strēngthed me by his Spirit (2)
2. I will cling to Thee
I will trust in Thee
You fill my heart with peace (2)
You bless me all my life (2)
3. Wonderful are you Lord
Counsellor are you Lord
Almighty God forever (2)
King and Lord of Lords (2)

6. I Will Exalt You

I will exalt you O lord
And bless you with all my heart
I will seek your face
And Praise you with all my mind

1. For you are good, Eternal God
For you preserve me, And care for me
I'll Praise your name
With all my heart
2. You hold my hand, lead me thro'
You carry me, All thro' my life
Hallelujah, Hallelujah - (4)

7. The Name of the Lord

The name of the Lord. is my refuge
I'll praise him with all my heart

1. Jehovah Jireh,
Lord you care for me

I'll praise You O Lord,
I'll praise You O Lord

2. Jehovah Nissi,
You'll give me victory

3. Jehova Raphah,
Healing comes from You

4. Jehova Shalom
You are the Lord of peace

8. Glory O Glory

Glory O Glory
Come O Father with Thy Glory
Glory, cloud of glory
Fill this Place now with Thy Glory

1. Come O Father
As we worship Thee
Fill this temple, with Thy Glory

2. Come Lord Jesus, bless us right now
Change our countenance
With Thy Glory

3. Holy Spirit, Rain upon us
Let all Nations
See thy Glory

9. Welcome Holy Spirit

Holy Spirit, Loving Spirit
Comforter, O Holy Spirit
Welcome you, now in this place,
Fill me, lead me, use me - (2)

10. Make a joyful

Make a joyful shout to the Lord
Serve the Lord with gladness
Come before His presence with singing
Know that the lord is God

1. Its He who's made us
And we are His people
The Sheep of His pasture
And we are His People
2. Enter into His gates
With thanksgiving and with praise
Be thankful to Him and bless
His holy name
3. For the Lord God is good
His mercy is everlasting
His faithfulness endures
To all the generations

11. Let Us Clap

Let us clap our hands and rejoice
Let us clap our hands and rejoice

Let's rejoice, let's rejoice
Let's rejoice for His promises
Let's rejoice, let's rejoice
Let's not worry, let's rejoice

1. Fear not, I have redeemed you
You are mine says the Lord
2. Surely goodness and mercy
Shall follow me all thro' my life
3. God's our refuge, He's our strengthA very
pleasant help in trouble
4. The Lord shall make you the head not the tail
You'll be above not beneath

12. Fill Me

Fill me with your joy and peace
I am trusting you
Let me overflow with love
I am loving you

Fill me, fill me
With your love and your peace
Fill me, fill me
With your love and your peace
love you, I love you (2)

1. Jehovah Jireh, I praise you Lord
You are my provider, I Praise you Lord
Jehovah Nissi, I praise you (2)
You're my victory, I praise you

2. Jehovah Shammah, I thank you Lord
You are within me, I thank you Lord
Jehovah Shalom, I thank you (2)
You're the Prince of Peace, I Thank you Lord

3. Jehovah Raphap, I love you Lord
You're my healing God, I love you Lord
Jehovah Ruvah, I love you (2)
Shepherd of my soul I love you

13. Cast Your Burden

Cast your burden on the Lord
Do not be troubled
And He shall sustain you
He'll make a way for you

1. He'll never permit the righteous to be moved
He will guide him day by day

2. The Lord's your keeper, He's your shade
He will keep you in all your way

3. If God is for us why to worry?
Who'll be against us? No worry!

14. I'm Not Going

I'm not going to worry about tomorrow
Jesus is my Lord and He will take care of me

1. The Lord is my light and my Salvation
Whom shall I be afraid?
The Lord is my strength in all thro' my life (2)
Whom shall I be afraid - Hallujah!
2. My dad and my mom and all may let me down
But the Lord will take care of me
I will ever wait up on the Lord (2)
And we will strengthen me - Hallelujah

Hey.....don't worry
Just take a look at the birds.....
They do not sow (No), They do not reap (Yeah)
They don't stock up in the deep freeze
But our father in heaven (Yeah)....He feeds them
He takes care..... He's always there
Check it out now..... Steppin it up now
Look it (at) all the wild flowers in
Bloom.....(Yeah)
They don't make their coats (Naa)
Spinnin' no Loom.....(Yeah)
Yet they look so cool
I said our father in heaven (Yeah)
He takes care..... He's always there
So don't worry

15. Worship Him

Worship Him, Worship him
Let us worship Jesus the Lord

1. He is mighty, worship him
He is so good, worship him
2. He is holy, worship him
Bow, adore and worship him
3. He is Worthy, Worship him
Lift your hands and worship him
4. He is so beautiful, worship him
He is so wonderful, worship him

16. Victory, Victory

Victory, victory
Victory in Jesus Blood (4)

1. The devil will flee cos' of the blood
Healing comes thro' the blood
I have authority thro' the blood
I have my miracles in the blood
2. My sins are washed by the blood
Cleansing comes thro' the blood
Curses flee by the blood
Peace comes thro' His blood
3. Deliverance thro' the blood
Victory in Jesus' Blood
Power comes thro' the blood
Weaknesses flee by His blood

17. We Know That

We know that all things work together
For good to those who love the Lord (2)

Thank you, thank you Lord
We know that all things work for good

1. You turned all evil to blessing
You turned our sorrows to joy
2. Your grace is always sufficient
Your strength will help me in weakness
3. You showed me the way to carry on
You taught me how to press on

18. As a Mother

As a mother comforts her child
My Jesus will comforts me

1. You touch me by your love
Fill my heart with happiness
2. You hold my hand and lead me on
Put me one the rock to stay
3. You never leave me nor let me go
You care for me and walk with me
4. You died for me on the cross
Carried my sins on Calvary

Hallelujah

19. Rejoice Rejoice Ps : 149

Rejoice Rejoice and be glad

Rejoice in God always

Hallelujah (4)

1. He is our maker
A Mighty Redeemer (2)
2. Heavenly Father
King of Kings and Lord
3. He crowns the humble
With Salvation and Joy
4. He washed all my Sins
Heals all my Sickness
5. Beatifies the simple
With kindness and mercy
6. He takes delight in us
Cause we are his people

20. Be glorified

Be glorified O my Father

Let me sing and praise you.(2)

1. Your love is never failing
You are my trust and my king
I will not be shaken any more (2)
2. You filled my heart with your Spirit
Made me glad in your presence (2)
I will not be shaken any more

3. you answered all my prayers
Gave all my heart's desire
I will not be shaken any more
4. You changed my mourning to loughter
Set my feet to dancing
I will not be shaken any more -Jesus

21. I am like a Ps 52 :8

I am like a green olive
Growing in God's house
I trust in your constant love
Your unfailing love O Lord (2)

1. I will praise you for-ever
For what you have done
In the presence of your people
 I will praise you for-ever
 For what you have done
 I will praise and lift your Name
2. You are my good Shepherd
I shall not be in want
You restore my soul and body
And guide in righteousness (2)

22. Abba Father ! 2 Thes 2 :13-17

Abba Father!
You have chosen me to be saved
You have chosen me to be sanctified

Through the Holy Spirit of God
And faith in the Word of God

Encourage and Strengthen me
Every good thing I speak and do
Thank you Father Thank you Jesus

Abba Father!

You have called me to posses
The glory of Lord Jesus (2)
Through the Living Word of God
Through the Good News of Peace and Joy

Abba Father!

By your grace and mercy you have loved me
And gave me consolation
Eternal consolation
The hope of good future (2)

23. You are my

You are my shelter O God
My highest rock to stay (2)
Forever I will sing and praise
Your Holy name O God (2)

1. Long to dwell in your presence (I)
Hiding under your wings
Salvation comes from you Lord (My)
Truly I wait for you
2. You are my safe refuge
I depend on you alone
Protector and Father (My)
Defender and Savior

3. With God I gain victory
I am more than a conqueror
Jesus the Name I have
The Name above every Name

24. Let me glorify

Let me glorify you Father
With my body spirit and soul
You have bought me at a price
I belong to you alone

1 Cor 6 : 20

Glory be to you, Father Almighty (2)
Honor and power, forever and ever (2)

1. My body is your temple
Your Holy Spirit is in me
You have given him freely
To call you Abba Father
2. You have loved and freed me O Lord Rev 1: 5, 6
And washed my sins with your blood
You have made me your child
To serve my Living Savior
3. You have redeemed and called
From the empty way of life 1 Pet 1: 18
With the precious blood of Christ
Which is spotless and perfect

25. Everyday I

Everyday I praise you Ps 145 : 1-3
Everyday I worship you

Hallelujah (4)

1. You are great and worthy of praise
Full of compassion and love
Rich in mercy and grace (my)
Redeemer and comforter
2. You are Near to all who call
Uphold all who fall Ps 145 : 18
You Preserve all who love
Faithful and promises
3. We look to you hopefully
You open your mighty hand Ps 145 : 15, 16
You Give us our daily food
And Satisfy all our need

Father I exalt your Name
Father I worship you

26. More than

More than my life
Jesus I love you
My Soul thirst for you
My Body longs for you

1. King and Great Shepherd
Ruler of Heaven and Earth
Immanuel Ever Living God
Jesus I love you
My Savior I love you
2. Mighty God you are
You are the Morning Star
Mediator Melchizedek

Jesus I love you
My Savior I love you

3. Greater than Jonah, greater than Solomon
Lion of Judah, Living stone
Jesus I love you
My Savior I love you
4. Only begotten Son, Overseer of souls
Passover Lamb Purifier
5. Author of salvation, Atoning sacrifice
Adam that last, Anointed one
6. King and Great Shepherd,
Good and Chief Shepherd
Bread of Life, Beginning and End.

27. Possible

Possible Its possible
Everything is possible
For Jesus (2)
Nothing is impossible

1. Demons flee in your Name
Sickness disappear
All who trust in you
Have Joy and Peace.
 2. Red sea looked and run
Jordan stopped flowing
Mountains skipped like goats
Nothing is impossible.
- Ps 145 : 3, 4

3. You brought out your people
Laden with silver and gold
All were strong and healthy
No one was feeble.

Ps 105 : 37

28. Father you dwell

Father you dwell in me
You are with me
Because you live, I live

1. Wonderful Counselor,
Mighty Living God

We honor You, We worship you (2)

2. Prince of peace and joy
Everlasting Father

3. Sun of Righteousness
Stronghold of my life

4. Shepherd of my soul
Savior of mankind

5. Eternal Life Giver
Ever present Helper

6. Father of fatherless
Defender and Deliverer